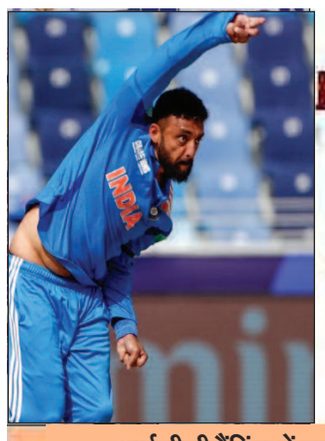

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

आईसीसी रैंकिंग में वरुण चक्रवर्ती ने रचा इतिहास -पेज: 7

नौ साल बाद लौटीं शिल्पा शिंद -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 249 | गुरुवार 18 दिसंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

राहुल गांधी, कांग्रेस महात्मा गांधी के आदर्शों के विरोधी, मनरेगा विवाद पर भाजपा के सीआर केसवन ने उठाए सवाल

नई दिल्ली एजेंसी: भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केशवन ने बुधवार को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) का नाम बदलने का बचाव किया और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना करते हुए कहा कि वे और उनकी पार्टी महात्मा गांधी के आदर्शों और सिद्धांतों के "विपरीत" हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह विधेयक गरीबों और वंचित वर्गों को सशक्त बनाएगा और ग्राम स्वराज के महात्मा गांधी के दृष्टिकोण के अनुरूप है। एएनआई से बात करते हुए केशवन ने कहा कि महात्मा गांधी के आदर्शों और सिद्धांतों के मामले में राहुल गांधी और कांग्रेस एक-दूसरे के विपरीत हैं। महात्मा गांधी ने राम राज्य का सपना देखा था, और कांग्रेस नेता भगवान राम का नाम तक लेने से कतराते हैं। यह विधेयक गरीबों और वंचित वर्गों को सशक्त बनाएगा।

इथियोपिया की संसद में पीएम मोदी की दहाड़, रिश्तों-सुरक्षा और आंतकवाद पर दिया कड़ा संदेश

नई दिल्ली एजेंसी: भारत और इथियोपिया क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और कनेक्टिविटी के मामले में प्राकृतिक साझीदार हैंः मोदी अदीस अबाबा, 17 दिसंबर (भा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को इथियोपियाई संसद को संबोधित करते हुए कहा कि भारत और इथियोपिया क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और कनेक्टिविटी के मामले में 'प्राकृतिक साझीदार' हैं। मंगलवार को अपनी पहली द्विपक्षीय यात्रा पर इथियोपिया पहुंचे मोदी ने इथियोपियाई संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा, ह्लइथियोपिया अफ्रीका के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र पर स्थित है। भारत हिंद महासागर के केंद्र में स्थित है। हम क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और कनेक्टिविटी में प्राकृतिक साझीदार हैं। उन्होंने कहा कि विकासशील देशों के रूप में, भारत और

इथियोपिया एक-दूसरे से बहुत कुछ सीख सकते हैं और एक-दूसरे को बहुत कुछ दे सकते हैं। मोदी ने यह भी कहा कि दोनों देशों में जलवायु और विचारों के मामले में भी समानता है। मोदी के संबोधन के अंत में सांसदों ने खड़े होकर तालियां बजाईं। मोदी तीन देशों की चार दिवसीय यात्रा पर हैं। वह मंगलवार को जॉर्डन से यहां पहुंचे थे और यहां से ओमान के लिए रवाना होंगे। नरेंद्र मोदी ने अदीस अबाबा में अपने आधिकारिक दौरे के दौरान दोहरी कूटनीति और सुरक्षा सहयोग पर जोर दिया है मोदी अफ्रीकी साझेदारों के साथ द्विपक्षीय वार्ता में आतंकवाद के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सहयोग की अहमियत पर बल दे रहे हैं। उन्होंने इथियोपिया के प्रधानमंत्री डॉ. अबी अहमद अली के साथ वार्ता में कहा कि मित्र देशों का समर्थन भारत की आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद इथियोपिया की संवेदनाओं और सहयोग की सराहना की और कहा कि हमें आतंकवाद जैसे वैश्विक खतरे के खिलाफ मिलकर काम करना होगा, और मित्र राष्ट्रों का समर्थन हमारे संघर्ष में बहुत मायने रखता है।ह्व यह टिप्पणी विशेष रूप से 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले की पृष्ठभूमि में आई है, जिसमें 26 पर्यटकों सहित भारतीय नागरिकों की जान गई थी और भारत ने आतंकवाद से निपटने के लिए सशस्त्र कार्रवाई की थी। मोदी के इस दौरे का उद्देश्य अफ्रीका तथा ग्लोबल साउथ के साथ सुरक्षा, आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना भी है, जिसमें आतंकवाद के खिलाफ साझा प्रयास एक प्रमुख मुद्दा है। संसद को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक एकजुटता का स्पष्ट और सख्त संदेश दिया। उन्होंने कहा हमें आतंक के खिलाफ मिलकर लड़ना होगा। यह मानवता का दुश्मन है और इससे कोई समझौता नहीं किया जा सकता। मोदी ने कहा कि आतंकवाद न किसी सीमा को मानता है, न किसी धर्म या संस्कृति को, इसलिए इसके खिलाफ लड़ाई भी साझा, सामूहिक और वैश्विक होनी चाहिए। उन्होंने चेताया कि आतंकवाद केवल सुरक्षा का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह विकास, शांति और लोकतंत्र के लिए भी गंभीर खतरा है।

प्रधानमंत्री ने भारत की जीरो टॉलरेंस नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत दशकों से आतंकवाद का सामना करता रहा है और अपने अनुभव दुनिया के साथ साझा करने को तैयार है। उन्होंने इथियोपिया और अन्य अफ्रीकी देशों के साथ सुरक्षा सहयोग, खुफिया जानकारी साझा करने और क्षमता निर्माण पर विशेष जोर दिया।

संबोधन पर सांसदों ने खड़े होकर...

इथियोपिया की संसद को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत और इथियोपिया को क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और कनेक्टिविटी के लिए प्राकृतिक साझीदार बताया। उन्होंने साझा विकास, समान सोच और रणनीतिक सहयोग पर बल दिया। संबोधन पर सांसदों ने खड़े होकर...

राष्ट्रपति भवन में परमवीर दीर्घा का उद्घाटन, पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, है नमन तुम्हें हे प्रखर वीर

नई दिल्ली एजेंसी: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 16 दिसंबर को विजय दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति भवन में परम वीर दीर्घा का उद्घाटन किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी, चीफ ऑफ एयर स्टाफ एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह, चीफ ऑफ नेवल स्टाफ एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उद्घाटन समारोह में उपस्थित थे। इसको लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेहद ही खास पोस्ट किया है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा कि हे भारत के परमवीर है नमन तुम्हें हे प्रखर वीर! ये राष्ट्र कृतज्ञ बलिदानों पर भारत मां के सम्मानों पर! उन्होंने तस्वीरों को साक्षा करते हुए लिखा कि

राष्ट्रपति भवन की परमवीर दीर्घा में देश के अदम्य वीरों के ये चित्र हमारे राष्ट्र रक्षकों को भावभीनी श्रद्धांजलि हैं। जिन वीरों ने अपने सर्वोच्च बलिदान से मातृभूमि की रक्षा की, जिन्होंने भारत की एकता और अखंडता के लिए अपना जीवन दियाह्लउनके प्रति देश ने एक और रूप में अपनी कृतज्ञता अर्पित की है। देश के परमवीरों की इस दीर्घा को, दो परमवीर चक्र विजेताओं और अन्य विजेताओं के परिवारजनों की गरिमामयी उपस्थिति में राष्ट्र को अर्पित किया जाना और भी विशेष है। मोदी ने कहा कि एक लंबे कालखंड तक, राष्ट्रपति भवन की गैलरी में ब्रिटिश काल के सैनिकों के चित्र लगे थे। अब उनके स्थान पर, देश के परमवीर विजेताओं के चित्र लगाए गए हैं। राष्ट्रपति भवन में परमवीर दीर्घा का निर्माण गुलामी की मानसिकता से निकलकर भारत को नवचेतना से जोड़ने के अभियान का एक उत्तम उदाहरण है। कुछ साल पहले सरकार ने अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में कई द्वीपों के नाम भी परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर रखे हैं। नरेंद्र मोदी ने साफ तौर पर कहा कि ये चित्र और ये दीर्घा हमारी युवा पीढ़ी के लिए भारत की शौर्य परंपरा से जुड़ने का एक प्रखर स्थल है। ये दीर्घा युवाओं को ये प्रेरणा देगी कि राष्ट्र उद्देश्य के लिए आत्मबल और संकल्प महत्वपूर्ण होते है। मुझे आशा है कि ये स्थान विकसित भारत की भावना का एक प्रखर तीर्थ बनेगा। आधिकारिक बयान के अनुसार, स्मरणोत्सव का मुख्य कार्यक्रम युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि समारोह था

दुश्मन पर कड़ा आघात करने के लिए नई रणनीति, सेना ने विशेष सैन्य ट्रेन के जरिए कश्मीर घाटी में टैंक और तोपखाने शामिल किए!

नई दिल्ली एजेंसी: भारतीय सेना ने एक विशेष सैन्य ट्रेन का उपयोग करके कश्मीर घाटी में टैंक, तोपें और इंजीनियरिंग उपकरण सफलतापूर्वक पहुँचाकर रसद के क्षेत्र में एक बड़ी सफलता हासिल की। इस अभियान से भारत की उत्तरी सीमाओं पर सेना की गतिशीलता, त्वरित प्रतिक्रिया और परिचालन तत्परता में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। एक व्यापक सत्यापन अभ्यास के तहत, टैंक, तोपें और डोजर सहित भारी युद्धक और सहायक उपकरण जम्मू क्षेत्र से दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग तक सुचारू रूप से पहुँचाए गए। इस अभ्यास ने कठिन भूभाग और खराब मौसम की स्थिति के बावजूद संवेदनशील और उच्च ऊंचाई वाले परिचालन क्षेत्रों में भारी संसाधनों को तेजी से जुटाने की सेना

की बढ़ी हुई क्षमता को प्रदर्शित किया। उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना रणनीतिक शक्ति गुणक के रूप में उभरी रेलवे मंत्रालय के साथ घनिष्ठ समन्वय में सफलतापूर्वक की गई इस परियोजना ने उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना के बढ़ते रणनीतिक महत्व को रेखांकित किया। मूल रूप से एक कनेक्टिविटी पहल के रूप में परिकल्पित उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक अब जम्मू और कश्मीर में त्वरित रसद निर्माण और सतत सैन्य अभियानों के लिए एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में उभरी है। तेज तैनाती, मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाएँ रेल मार्ग से भारी बख्तरबंद वाहनों और तोपखाने की तैनाती से तैनाती का समय काफी कम हो जाता है और सड़क काफिलों पर निर्भरता घट जाती है, जो अक्सर मौसम और भौगोलिक बाधाओं से प्रभावित होते हैं। यह क्षमता शांतिपूर्ण तैनाती और संघर्ष दोनों स्थितियों में अधिक विश्वसनीय और निर्बाध आपूर्ति श्रृंखलाएँ सुनिश्चित करती है। तैयारी और प्रतिरोध क्षमता में वृद्धि एक आधिकारिक बयान के अनुसार, कश्मीर घाटी में बख्तरबंद और तोपखाने संपत्तियों की सफल तैनाती से भारतीय सेना की परिचालन लचीलता और प्रतिरोध क्षमता मजबूत होती है। बयान में आगे कहा गया है कि रेल द्वारा त्वरित लामबंदी से सेनाएं कम समय में महत्वपूर्ण क्षेत्रों को सुदृढ़ कर सकती हैं, जिससे सैन्य अभियानों के पूरे स्पेक्ट्रम में तैयारी बढ़ती है। सत्यापन अभ्यास संयुक्त योजना और अंतर-एजेंसी समन्वय पर सेना के जोर को भी दशार्ता है, जो राष्ट्रीय अवसंरचना विकास को दीर्घकालिक सैन्य रसद आवश्यकताओं के साथ संरेखित करता है।

जी राम जी बिल पर बोले शिवराज सिंह चौहान, गांधी जी के सपने को पूरा करेगा विधेयक, 125 दिन रोजगार की गारंटी

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लोकसभा में 'विकसित भारत - रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक, 2025' पेश किया। यह विधेयक महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) 2005 का स्थान लेगा। चौहान ने बताया कि नए कानून के तहत 125 दिनों के मजदूरी रोजगार की गारंटी दी गई है, जो पहले के 100 दिनों से अधिक है। उन्होंने कहा, 'मैं आपको विधेयक संख्या 3 के बारे में बताना चाहता हूं, जिसे भारत में 2005 में लागू किया गया था। और अब, विकसित भारत रोजगार एजेंसी (एमएजी) के लिए 2025 में गारंटी मिशन अनुदान के बारे में।' शिवराज ने कहा कि सदन लोकतंत्र का पवित्र मंदिर है। प्रतिपक्ष के मित्रों से निवेदन है कि मेरा जवाब ध्यानपूर्वक सुनें; मैं हर प्रश्न का उत्तर दूंगा। मंत्री ने कहा कि 'विकसित भारत - जी राम

जी बिल' विकसित भारत के लिए, विकसित गांव का बिल है। यह बिल महात्मा गांधी जी के स्वावलंबी, स्वयं पूर्ण, गरीबी मुक्त और रोजगार युक्त गांव बनाने का बिल है। इसमें 100 दिन की रोजगार की गारंटी को बढ़ाकर 125 दिन किया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025 देश में रामराज्य लाने और महात्मा गांधी के सपनों को पूरा करने के लिए लाया गया है। विधेयक पर चर्चा में भाग लेते हुए भाजपा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि प्रभु राम चाहते थे तो मंदिर बन गया और अब वह चाहते हैं कि विकसित गांव बने। उन्होंने कहा, यह विधेयक रामराज्य लाने के लिए लाया गया, गांधी जी के सपनों को पूरा करने के लिए लाया गया है। अग्रवाल ने मुख्य विपक्षी दल पर निशाना साधते हुए कहा, कांग्रेस ने गांधी जी को ब्रांड के रूप में इस्तेमाल किया था, लेकिन (प्रधानमंत्री) नरेन्द्र मोदी ने महात्मा गांधी के सपनों को साकार किया है। भाजपा सांसद ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने मनरेगा को सिर्फ जेब भरने का साधन बना लिया था। अग्रवाल ने कहा कि जी राम जी से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी तथा गांवों का चौतरफा विकास होगा

नई सरकार बनने के बाद पहली बार बोधगया पहुंचे उट नीतीश, शांति और विकास के लिए प्रार्थना की

बिहार: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को बोधगया के महाबोधि मंदिर में पूजा-अर्चना की। बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि आज बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जिन्हें विकास पुरुष के नाम से जाना जाता है, महाबोधि मंदिर पहुंचे। बिहार में नई सरकार बनने के बाद यह उनकी पहली यात्रा है। उन्होंने बिहार में शांति और विकास के लिए प्रार्थना की। मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य ने आगे बताया कि उन्होंने बोधि वृक्ष के समक्ष पूजा में भी भाग लिया। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध के संदेश को भुलाया नहीं जा सकता क्योंकि विश्व भर में शांति और उनके संदेश की आवश्यकता है। इससे पहले मंगलवार को नीतीश कुमार ने बिहार में लागू होने वाले 7 निश्चय-3 कार्यक्रम की घोषणा की। यह इस कार्यक्रम की तीसरी कड़ी है। 7 निश्चय योजना की पहली किस्त 2015 से 2020 के बीच पूरी हुई, और 7 निश्चय-2 योजना 2020 से 2025 के बीच पूरी हुई। बिहार के मुख्यमंत्री ने इस संबंध में लिखा, "24 नवंबर, 2005 को हमारी सरकार के गठन के बाद से, राज्य में कानून का शासन रहा है, और लगातार 20 वर्षों तक सभी क्षेत्रों और वर्गों के विकास के लिए काम किया गया है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि राज्य में सुशासन के तहत 7 निश्चय (2015-2020) और 7 निश्चय-2 (2020-2025) कार्यक्रमों में न्यायपूर्ण विकास से संबंधित लक्ष्यों को प्राप्त करने के बाद, अब बिहार को सबसे विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करने के लिए 7 निश्चय-3 कार्यक्रम को लागू करने का निर्णय लिया गया है।" उन्होंने योजना के सात प्रमुख संकल्पों पर प्रकाश डाला। पहला संकल्प, 'दोहरा रोजगार', राज्य की औसत प्रति व्यक्ति आय को दोगुना करने का लक्ष्य रखता है।

अब असली चेहरा सामने आ रहा है, हिजाब वीडियो को लेकर उमर अब्दुल्ला ने नीतीश कुमार पर कसा तंज

जम्मू एजेंसी: जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर एक वायरल वीडियो को लेकर तीखा प्रहार किया, जिसमें कथित तौर पर उन्हें एक महिला का हिजाब हटाने की कोशिश करते हुए दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री को धर्मनिरपेक्ष नेता माना जाता था, लेकिन अब उनका असली चेहरा सामने आ रहा है। मुख्यमंत्री ने इस घटना को "दुर्भाग्यपूर्ण" बताया और कहा कि इस तरह की हरकतें अस्वीकार्य हैं। उन्होंने अतीत में जम्मू और कश्मीर में हुए चुनावों के दौरान हुई इसी तरह की एक घटना का जिक्र किया। अब्दुल्ला ने पत्रकारों से कहा कि यहां भी, चुनावों के दौरान, महबूबा मुफ्ती ने मतदान केंद्र पर एक महिला मतदाता का बुर्का हटवाया था। वह भी दुर्भाग्यपूर्ण था, और यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है। पहले नीतीश कुमार को धर्मनिरपेक्ष नेता माना जाता था। अब नीतीश कुमार का असली चेहरा सामने आ रहा है।

पटना में एक सरकारी कार्यक्रम का वीडियो वायरल होने के बाद विपक्षी दलों की ओर से इसकी कड़ी आलोचना हो रही है। इस वीडियो में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक महिला को प्रमाण पत्र देते समय उसका हिजाब खींचते हुए नजर आ रहे हैं। इस वीडियो ने देशभर में आक्रोश पैदा कर दिया है। वीडियो में यह घटना मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित एक समारोह के दौरान घटी, जहां नए भर्ती हुए आयुष डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र वितरित किए जा रहे थे। महिला के कुछ कहने से पहले ही कुमार ने हाथ बढ़ाकर उसका हिजाब नीचे कर दिया, जिससे उसका मुंह और ठोड़ी दिख गई। इस बीच, मंगलवार को पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ्ती ने वायरल वीडियो पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इस घटना को बेहद शर्मनाक बताया और नीतीश कुमार की मानसिक स्थिति पर सवाल उठाया। इल्तिजा मुफ्ती ने नीतीश कुमार को बुजुर्ग कहा और बताया कि उनके कार्यों से मुस्लिम महिलाओं के प्रति उनकी घोर असंवेदनशीलता झलकती है।

दिल्ली में अस्थायी तौर पर बंद होंगे टोल प्लाजा? प्रदूषण पर एमसीडी को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार

नई दिल्ली एजेंसी: दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण पर सुनवाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए सुझाव दिया कि वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए दिल्ली की सीमाओं पर टोल वसूली निलंबित कर दी जानी चाहिए। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा कि जब प्रदूषण का स्तर चिंताजनक रूप से उच्च है, तब टोल के माध्यम से राजस्व जुटाना प्राथमिकता नहीं हो सकता। सीजेआई ने कहा कि इतने गंभीर प्रदूषण में हमें टोल से आय नहीं चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय ने अगले वर्ष 31 जनवरी तक दिल्ली की सीमाओं पर टोल प्लाजा के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए एक ठोस योजना तैयार करने का इरादा व्यक्त किया। न्यायालय ने यह भी सुझाव दिया कि आगामी वर्ष से 1 अक्टूबर से 31 जनवरी के बीच टोल वसूली निलंबित रखी जानी चाहिए, क्योंकि इसी अवधि में राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण चरम पर होता है। मुख्य न्यायाधीश ने इस मामले में नोटिस जारी करने का भी निर्देश दिया। एनएचएआई ने नोटिस स्वीकार किया भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण

(एनएचएआई) की ओर से पेश हुए एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने अदालत का नोटिस स्वीकार कर लिया। पीठ ने एनएचएआई को दिल्ली नगर निगम द्वारा संचालित नौ टोल बूथों को ऐसे स्थानों पर स्थानांतरित करने पर विचार करने को भी कहा, जहां एनएचएआई के कर्मचारियों की तैनाती संभव हो सके। अदालत ने सुझाव दिया कि टोल बूथों को हटाने या स्थानांतरित करने से होने वाले अस्थायी नुकसान की भरपाई के लिए एनएचएआई द्वारा एकत्र किए गए टोल राजस्व का एक हिस्सा एमसीडी के साथ साझा किया जा सकता है। मुख्य न्यायाधीश ने आगे टिप्पणी की कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल प्लाजा वर्तमान 5 से 10 किलोमीटर की दूरी के बजाय 50 किलोमीटर के अंतराल पर स्थापित किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि टोल प्लाजा को अधिक दूरी पर स्थापित करने से कुछ यातायात को डायवर्ट किया जा सकता है, जिससे शहर की सीमा के पास भीड़भाड़ और प्रदूषण में संभावित कमी आ सकती है। नौ टोल प्लाजा को अस्थायी रूप से बंद करने पर विचार करने का निर्देश सर्वोच्च न्यायालय ने अधिकारियों को दिल्ली के आसपास स्थित नौ टोल प्लाजा पर संचालन को अस्थायी रूप से बंद करने की संभावना पर विचार करने का निर्देश दिया। न्यायालय ने एक सप्ताह के भीतर निर्णय लेने और उसे रिकॉर्ड में दर्ज करने को कहा। पीठ ने इस बात पर भी जोर दिया कि पर्यावरणीय चिंताओं और अवसंरचना प्रबंधन के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए तत्काल प्रशासनिक कार्रवाई आवश्यक है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा कि जब प्रदूषण का स्तर चिंताजनक रूप से उच्च है, तब टोल के माध्यम से राजस्व जुटाना प्राथमिकता नहीं हो सकता।

संपादकीय

इंडिगो प्रकरण में केंद्र असहाय

क्रोनी कैपिटलिज्म में राजसत्ता पसंदीदा पूंजीपतियों को अनुचित लाभ पहुंचाती है। यह लाभ पाने के लिए पूंजीपति सत्ताधारियों को प्रसन्न रखने की कोशिश करते हैं। जबकि इंडिगो प्रकरण में केंद्र असहाय नजर आया और आखिरकार उसने घुटने टेक दिए। इंडिगो एयरलाइन्स के मामले ने बताया है कि भारत में सरकार और उपभोक्ता दोनों कॉरपोरेट्स- खासकर मोनोपॉली कायम कर चुकी कंपनियों के आगे असहाय हैं। इस प्रकरण का संदेश है कि क्रोनी कैपिटलिज्म जैसी बातें पुरानी पड़ चुकी हैं। क्रोनी कैपिटलिज्म में फिर भी शक्ति प्रमुख रूप से राजसत्ता के पास ही होती है, जो अपने पसंदीदा पूंजीपतियों को अनुचित लाभ पहुंचाती है। यह लाभ पाने के लिए पूंजीपति सत्ताधारियों को प्रसन्न रखने की कोशिश में जुटे रहते हैं। जबकि इंडिगो प्रकरण में केंद्र असहाय नजर आया और आखिरकार उसने घुटने टेक दिए। घटनाक्रम पर ध्यान दीजिए: उड़ान को सुरक्षित बनाने के लिए भारत सरकार ने नियम जारी किए। इंडियो एयरलाइन्स को वे नियम पसंद नहीं आए, क्योंकि उससे उड़ान संचालन की लागत बढ? वाली थी। उसने उन नियमों पर आपत्ति जताई, मगर सरकार ने उसे नजरअंदाज किया। इस बीच इंडिगो टिकट बुकिंग करती रही। उड़ानों को रद्द करने की पूर्व चेतावनी उसने जारी नहीं की। और अचानक रद्द करना शुरू कर दिया। उसे अंदाजा जरूर रहा होगा कि ऐसा होने पर खूब शोर-शराबा होगा- आखिर विमान यात्रा करने वाले लोग प्रभु वर्ग आते हैं, जिनकी नाराजगी सरकार मोल नहीं ले सकती। आखिरकार सरकार को अपने दिशा-निर्देश वापस लेने पड़े। इंडिगो ने बुकिंग महीनों पहले की थी। उस रकम पर उसने ब्याज कमाया। रिफंड उड़ान रद्द होने के बाद किए गए। तो नुकसान में यात्री रहे। मगर इंडिगो के फ्रंट ऑफिस में मौजूद कर्मचारियों पर भड़कने के अलावा कुछ और करना उनके वश में नजर नहीं आया। नए नियम क्या थे? यही कि पायलटों से आठ घंटे काम लिया जाए और उन्हें पर्याप्त छुट्टी दी जाए। इंडिगो भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन है, लेकिन प्रति विमान उपलब्ध पायलटों की संख्या के लिहाज से (प्रति विमान 13) वह पांचवें नंबर आती है। उसके कर्मचारी काम के कैसे बोझ में रहते होंगे, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। स्वाभाविक है कि पायलट एसोसिएशन ने नियम वापस लेने के सरकार के फैसले का विरोध किया है। मगर मोनोपॉली व्यवस्था में जब सरकार अपनी नहीं मनवा सकती, तो कर्मचारी या उपभोक्ता क्या सोचते हैं- इसे कौन पूछता है?

पहलगाम के बाद सिडनी इस जहरीली कट्टरपंथी सोच के खात्मे की जरूरत

मनोज कुमार अग्रवाल

पहले पहलगाम में धर्म पूछ कर निरीह हिन्दू पर्यटकों का कत्लेआम और अब सिडनी के बीच पर यहूदियों का खून खराबा आखिर यह कौन सी खून की प्यास है और यह कब और कैसे बुझेगी? आपको बता दें कि आस्ट्रेलिया में सिडनी के बोंडी बीच पर बीते रविवार 14 दिसंबर को यहूदी पर्व हनुका के दौरान दो आतंकियों ने अंधी गोलीबारी कर निर्ममता भरा कत्लेआम किया , जिसमें कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक 10 साल की बच्ची भी शामिल है, वहीं करीब 50 लोग घायल हुए हैं। दोनों आतंकी जिस तरह खुशियां मनाते लोगों पर बेरहमी से गोलियां चलाने लगे, उसने पहलगाम आतंकी हमले की खौफनाक याद दिला दी। बॉडी बीच पर दोनों आतंकियों के गोलियां बरसाते वीडियो सामने आए हैं। जिस अंदाज से उन्होंने इस हमले को अंजाम दिया है, उससे अनुमान लगता है कि उनके पास न केवल अत्याधुनिक हथियार थे, बल्कि उन्हें चलाने का बाकायदा प्रशिक्षण भी उन्हें मिला है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गोलीबारी के बाद पास की एक सड़क पर एक कार से कई इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस यानि विस्फोटक बरामद किए गए, यानी हमले की साजिश इससे कहीं ज्यादा तबाही फैलाने और ज्यादा से ज्यादा लोगों को मारने की थी। आपको बता दें कि आतंकियों का मंसूबा और अधिक खून खराबा करने का रहा होगा जो पूरा नहीं हो सका। एक आतंकी तो पुलिस की गोली से घटनास्थल पर ही मारा गया, जबकि दूसरा अभी घायल है। पुलिस के मुताबिक दोनों आतंकी बाप-बेटे थे। उनके नाम साजिद और नवीद अकरम बताए गए हैं। खबर है कि मूल रूप से ये दोनों पाकिस्तान के थे। भारत के बाद अब आस्ट्रेलिया हमले में भी पाकिस्तान का नाम आने के बाद शाहबाज शरीफ सरकार और सैन्य प्रमुख असीम मुनीर की चुनौतियां बढ़ने वाली हैं, क्योंकि अब इस घटनाक्रम में ऑस्ट्रेलिया के साथ-साथ इजरायल भी जुड़ चुका है, यानी परोक्ष तौर पर अमेरिका भी जुड़ा ही हुआ है। पता हो कि यह हमला यहूदियों पर हुआ है, इसलिए इजरायल की स्वाभाविकतौर पर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने इसे यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर किया गया आतंकवादी हमला करार दिया है, यानी आस्ट्रेलिया में यहूदी विरोधी माहौल बन रहा है, इसे सरकार ने भी मान लिया है। बता दें कि बोंडी बीच इलाका, ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े यहूदी आबादी वाले क्षेत्रों में से एक है, जहां करीब 40,000 यहूदी रहते हैं। हनुक्का उत्सव के पहले दिन आयोजित इस समुद्र-तटीय कार्यक्रम में करीब 1,000 लोग मौजूद थे। यानी आतंकी जानते थे कि किस वक्त हमला करके सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया जा सकता है। शांति और खुशी के माहौल में त्योहार मना रहे लोगों से किसी को क्या दिक्कत हो सकती है? लेकिन नस्ल और धर्म आधारित नफरत के शैतान हमेशा इंसानियत के कत्ल से अपनी खूनी प्यास मिटाने की जुर्रत करते हैं यह हमला पहलगाम की पुनरावृत्ति मालूम पड़ रहा है इस हमले के वीडियो देखकर पहलगाम हमले की यादें ताजा हो जाती हैं। वहां भी आम लोग छुट्टियों का आनंद ले रहे थे, बोंडी बीच पर भी लोग छुट्टियों का लुत्फ उठा रहे थे। पहलगाम में आतंकवादियों ने धर्म पूछकर गोलियां बरसाई थीं, बोंडी बीच पर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं, क्योंकि पहले से पता था कि ये यहूदी हैं, जो हनुका त्योहार मनाने के लिए इकट्ठे हुए हैं। हंसी-खुशी का माहौल मातम में बदल गया। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया रिपोर्टों में एक हमलावर का नाम (पाकिस्तानी मूल का) नवीद अकरम बताया जा रहा है। इस बात का पहले से ही शक था। यूं तो ऑस्ट्रेलिया काफी शांत और सुरक्षित देश माना जाता है, लेकिन इसकी सरकारों ने पिछले तीन दशकों में प्रवासियों के मामले में जो उदारता दिखाई, अब उसके फल मिलने लगे हैं। इस देश को श्रम शक्ति बढ़ाने के लिए लोगों की जरूरत थी। ऑस्ट्रेलियाई सरकारों ने पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान, बांग्लादेश, सीरिया, लीबिया जैसे देशों के नागरिकों के लिए अपने दरवाजे खोले थे। यह गलत नहीं है, लेकिन जिन लोगों को बुलाया गया, उनकी जांच-पड़ताल करनी चाहिए थी। ऑस्ट्रेलिया में कई इलाके ऐसे हैं, जहां पाकिस्तानी बड़ी तादाद में रहते हैं। अक्सर स्थानीय लोग शिकायत करते हैं कि ये हमेशा असंतुष्ट रहते हैं, ज्यादा से ज्यादा अधिकारों की मांग करते हैं, खुद नियम-कानूनों की धज्जियां उड़ाते हैं, गंदगी फैलाते हैं और अपनी मर्जी चलाने की कोशिश करते हैं। स्पष्ट कर दें कि ऑस्ट्रेलिया में लोग चिंता जता चुके हैं कि देश में कट्टरपंथ बढ़ता जा रहा है और सरकार को कोई परवाह नहीं है। बोंडी बीच हमले के बाद एजेंसियां जांच में जुटी हैं। अगर इस घटना के पीछे पाकिस्तानियों का पूरा नेटवर्क निकल आए तो इस पर किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए। इस बात को समझने की जरूरत है कि पाकिस्तान में यहूदियों से बहुत ज्यादा घृणा की जाती है। वहां कट्टरपंथी उपदेशक यहूदियों के खिलाफ आग उगलते रहते हैं। ऐसा ही भारत में होता रहा है यहां भी मजहबी उपदेशक अपनी कट्टरपंथी मजहबी सोच को अशिक्षित अनुयायी लोगों के जहन को जहरीला बनाने के लिए बड़े पैमाने पर सक्रिय हैं। इससे आम लोगों की सोच प्रभावित हो रही है। जब बोंडी बीच हमले की खबरें पाकिस्तानी चैनलों के सोशल मीडिया पेजों पर प्रसारित हुई तो टिप्पणियों में कई पाकिस्तानी नागरिक खुशियां मना रहे थे। वे इसे गाजा, फिलिस्तीन, लेबनान, ईरान से जोड़कर देख रहे थे। आम लोगों की हत्याओं पर कोई व्यक्ति खुशी कैसे मना सकता है? इससे उसकी कैसी मानसिकता झलकती है? पहलगाम हमले के बाद भी पाकिस्तानी नागरिक खबरों पर ऐसी ही प्रतिक्रिया दे रहे थे।

प्रेस क्लब ऑफ इंडिया चुनाव 2025- 'हार की जीत' – एक स्वतंत्र पत्रकार की कारुणिक लेकिन साहसिक कथा

विनोद कुमार सिंह

लोकतंत्र केवल जीत का उत्सव नहीं होता। वह हार के आत्ममंथन, विवेक के परीक्षण और चरित्र की कसौटी का भी नाम है। चुनावी राजनीति में हार को प्रायः पराजय के रूप में देखा जाता है, किंतु जब यह हार सत्य, साहस और ईमानदार संघर्ष के साथ आती है, तब वह केवल परिणाम नहीं रहती, बल्कि एक वैचारिक विजय में रूपांतरित हो जाती है। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के वर्ष 2025 के चुनाव में कार्यकारिणी सदस्य पद पर लगातार दूसरी बार मिली पराजय मेरे लिए भी ऐसी ही एक 'हार की जीत' है।

यह आलेख किसी व्यक्तिगत पीड़ा की अभिव्यक्ति भर नहीं है। यह उस संस्थागत यथार्थ का दस्तावेज है, जहाँ लोकतांत्रिक प्रक्रियाएँ तो विद्यमान हैं, किंतु सत्ता का हस्तांतरण लगभग असंभव होता जा रहा है। यह कथा एक स्वतंत्र पत्रकार की है, जो बिना किसी पैनल, बिना संसाधन, बिना सत्ता-समर्थन के, केवल विचार, विवेक और आत्मबल के सहारे मैदान में उतरा। परिणाम पराजय का रहा, पर आत्मा ने हार स्वीकार नहीं की।प्रेस क्लब ऑफ इंडिया कभी स्वतंत्र पत्रकारिता की चेतना, संवाद और असहमति का जीवंत प्रतीक रहा है। यह वह मंच था जहाँ विचार टकराते थे, प्रश्न उठते थे और सत्ता से निर्भीक संवाद होता था। किंतु बीते वर्षों में यह संस्था धीरे-धीरे एक सीमित दायरे में सिमटती दिखाई देने लगी है। लगातार ग्यारह वर्षों से एक ही सत्तारूढ़ पैनल का सत्ता में बने रहना किसी संयोग का परिणाम नहीं, बल्कि एक सुसंगठित व्यवस्था का संकेत है। चुनाव होते हैं, मतदान होता है, लेकिन सत्ता का चरित्र लगभग अपरिवर्तित रहता है। यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक संस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है। इस पूरे परिदृश्य में विपक्ष लगभग अनुपस्थित दिखाई देता है। न कोई सशक्त वैचारिक मंच, न साझा एजेंडा,न दीर्घकालिक रणनीति। स्वतंत्र उम्मीदवार बिखरे हुए हैं, संसाधनहीन हैं और आपसी समन्वय के अभाव में एक-दूसरे के पूरक बनने के बजाय प्रतिस्पर्धी बन जाते हैं। परिणामस्वरूप वोटों का विभाजन होता है और सत्तारूढ़ पैनल पहले से अधिक मजबूती के साथ लौट आता है। इस अर्थ में यह हार किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि सामूहिक रणनीतिक विफलता की भी कहानी है।वर्ष 2025 के चुनाव में कुल 1268 मत पड़े,जिनमें से 1227 मत वैध घोषित किए गए। इस व्यापक मतदान के बीच मुझे केवल 291 मत प्राप्त हुए। कागज पर यह संख्या छोटी प्रतीत हो सकती है, किंतु मेरे लिए यह मात्र एक अंक नहीं थी। वे 291 मत 291 विवेकपूर्ण निर्णय थे, 291 चेहरे थे, 291 ऐसी आवाजें थीं जिन्होंने भय, प्रलोभन और सत्ता के दबाव से ऊपर उठकर स्वतंत्र सोच का साथ दिया। जब परिणाम लगभग पूर्वनिर्धारित हों, तब 291 मत भी एक प्रतिरोध का स्वर बन जाते हैं।

यह मेरी लगातार दूसरी पराजय है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि ऐसा क्यों हुआ। उत्तर सरल नहीं, किंतु स्पष्ट अवश्य है। पहला कारण यह कि मैं किसी पैनल का हिस्सा नहीं था। दूसरा यह कि मेरे पास न तो संस्थागत संसाधन थे और न ही संगठित प्रचार तंत्र। तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण कारण यह कि मैंने समझौतावादी राजनीति को अस्वीकार किया। मैंने वादों और सौदों की राजनीति नहीं की। मैंने केवल मुद्दों की बात की–पत्रकारों की सुरक्षा,स्वास्थ्य सुविधाएँ, आवास,स्वतंत्र पत्रकारों की पहचान और प्रेस क्लब को सत्ता-केंद्र के बजाय संवाद-केंद्र बनाने की आवश्यकता।दुर्भाग्यवश आज के समय में मुद्दों की राजनीति अक्सर प्रबंधन और नेटवर्क की राजनीति से हार जाती है।यह स्वीकार करना होगा कि सत्तारूढ़ पैनल संगठित है, अनुशासित है और वर्षों से बने प्रभावी नेटवर्क का लाभ उठाता है। क्लब की व्यवस्थाएँ, संसाधन और निर्णय-प्रक्रियाएँ उसी के इर्द-गिर्द केंद्रित हो चुकी हैं। इसके विपरीत स्वतंत्र प्रत्याशी केवल अपनी नैतिक पूंजी के सहारे खड़े दिखाई देते हैं, जो चुनावी गणित में अक्सर अपर्याप्त सिद्ध होती है।चुनाव परिणाम के बाद का क्षण किसी भी प्रत्याशी के लिए कठिन होता है। वर्षों का अनुभव, लेखनी की धार और ईमानदार संघर्ष जैसे क्षणभर में अप्रासंगिक प्रतीत होने लगते हैं। मन में अनेक प्रश्न उठते हैं–क्या सच बोलना अब भी मूल्य है? क्या अकेले खड़े होना मूर्खता है? क्या स्वतंत्रता की कीमत बहुत अधिक है? लेकिन जब यह प्रश्न अंतरात्मा के दरबार में जाते हैं, तो उत्तर एक ही मिलता है–यदि जीत के लिए आत्मा गिरवी रखनी पड़े, तो ऐसी जीत भी हार से कम नहीं होती।

प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के ऐतिहासिक परिसर में परिणाम घोषित होने के बाद का दृश्य आज भी स्मृति में अंकित है।चारों ओर शोर था,विजयी पैनल के समर्थकों के चेहरे पर मुस्कान और आत्म विश्वास था। उसी भीड़ में मैं अकेला, शांत और विचारों में डूबा खड़ा था। कारण स्पष्ट था–मैं जीत नहीं पाया था। किंतु उस क्षण भीतर कोई टूटन नहीं थी।बल्कि एक विचित्र शांति थी,जो केवल तब आती है जब व्यक्ति जानता हो कि उसने अपने विवेक से समझौता नहीं किया। कई साथियों ने बाद में आकर कहा–'हमें पता था आप जीतेंगे नहीं, फिर भी हमने आपको वोट दिया। यह वाक्य मेरे लिए किसी भी पद या जीत से बड़ा था।यह इस बात का प्रमाण था कि क्लब के भीतर अभी भी ऐसी चेतना शेष है,जो अवसरवाद से ऊपर उठकर मूल्य को चुनती है।यही कारण है कि यह हार मुझे भारी नहीं लगी।यह ईमानदार थी,खरी थी और किसी सौदे का परिणाम नहीं थी।

उस रात नींद नहीं आई।एकांत में प्रश्नों की लंबी शृंखला थी। पत्रकारिता के मूल्यों पर,स्वतंत्रता के भविष्य पर और संस्थागत संरचनाओं की जटिलताओं पर विचार चलता रहा।सुबह जब सूरज की पहली किरण आई,तो मन में एक स्पष्टता भी आई।मैंने जो किया, वह अपने विवेक के अनुसार किया। मैंने हार स्वीकार की है,लेकिन आत्मसमर्पण नहीं।

यह चुनाव यह भी उजागर करता है कि पत्रकारिता के भीतर भी सत्ता संरचनाएँ कितनी गहराई तक जड़ जमा चुकी हैं।प्रेस क्लब ऑफ इंडिया,जो संवाद और बहस का मंच होना चाहिए,कहीं-न-कहीं सुविधा, प्रभाव और प्रबंधन का केंद्र बनता जा रहा है। यह कहना असहज हो सकता है,किंतु सच यही है कि हमें सत्ता से सवाल पूछने की क्षमता केवल बाहर नहीं,अपने संस्थानों के भीतर भी विकसित करनी होगी। यह मेरी अंतिम लड़ाई नहीं है।यह केवल एक पड़ाव है।भविष्य में यदि फिर मैदान में उतरूँगा,तो और व्यापक संवाद,अधिक संगठित वैचारिक मंच और दीर्घकालिक दृष्टि के साथ उतरूँगा।स्वतंत्र पत्रकारों को केवल चुनाव के समय नहीं,पूरे वर्ष जोड़ने की आवश्यकता है।परिवर्तन क्षणिक नहीं होते,वे निरंतर प्रयास से आकार लेते हैं।

यह हार मुझे छोटा नहीं करती। यह मुझे और जिम्मेदार बनाती है।जब तक लिखने की क्षमता है,तब तक सवाल उठाने का दायित्व है। जब तक विवेक जीवित है,तब तक स्वतंत्र पत्रकारिता की लौ जलती रहेगी।शायद यही मेरी वास्तविक जीत है। मै अपने उन मीडिया मित्रों ' मतदाताओं व अपने समर्थको का आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने मुझे इस चुनाव अपना मत के साथ बहुमूल्य समर्थन व योगदान दिया । अंततः जीवन में वही हार सबसे बड़ी जीत होती है, जो आपको पराजय के बाद भी सच्चा बनाए रखे।

अमीरी की जीवनशैली, प्रदूषण का बोझ और गरीब की त्रासदी

देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली आज जिस घातक पर्यावरण संकट से गुजर रही है, वह केवल एक शहर की समस्या नहीं, बल्कि पूरे देश के लिये चेतावनी है। विडंबना यह है कि इस संकट के नाम पर जो तात्कालिक उपाय लागू किए जाते हैं, उनका सबसे बड़ा खामियाजा वही तबका भुगतता है, जिसकी इसमें सबसे कम भूमिका होती है-गरीब और श्रमिक वर्ग। इसी पीड़ा को शब्द देते हुए सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा कि अमीरों की जीवनशैली से पैदा हुई मुश्किलों का सामना गरीबों को करना पड़ता है। यह टिप्पणी न केवल कानूनी दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि सामाजिक और नैतिक चेतना को झकझोरने वाली भी है। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ ने यह मर्मस्पर्शी टिप्पणी की। वरिष्ठ अधिवक्ता और न्यायमित्र अपराजिता सिंह की दलीलों पर गौर करते हुए अदालत ने स्पष्ट कहा कि ग्रैप-4 जैसी सख्त पाबंदियों का सबसे ज्यादा असर गरीबों पर पड़ता है। निर्माण कार्य रुकते हैं, दिहाड़ी मजदूरों की रोजी-रोटी ठप हो जाती है, जबकि प्रदूषण पैदा करने वाली जीवनशैली में शामिल संपन्न तबके पर अपेक्षित प्रभाव नहीं पड़ता। मुख्य न्यायाधीश ने साफ शब्दों में कहा कि समस्या की जड़ अमीरों की जीवनशैली है और समाधान भी वहीं से शुरू होना चाहिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अदालत ऐसे प्रभावी और लागू करने योग्य आदेश पारित करेगी, जिन्हें जरूरत पड़ने पर सख्ती से लागू भी किया जा सकेगा।

जस्टिस सूर्यकांत का कहना था कि महानगरों में लोगों की अपनी अलग जीवनशैली होती है, जिन्हें वे बदलना नहीं चाहते। यही वजह है कि समस्या अमीरी की वजह से होती है, लेकिन झेलना गरीब को पड़ता है। दरअसल, अदालत की सोच रही है कि हमारा परिवेश-पर्यावरण साफ-सुथरा रहे, इसके लिये हम सबको अपने कुछ सुखों का त्याग करना होगा, अपने जीवन को पर्यावरण के अनुकूल ढालना होगा एवं प्रकृति-एवं पर्यावरण के प्रति सकारात्मक रवैया अपना होगा। यह जानते हुए कि पर्यावरण पर आने वाले संकट व प्रदूषित हवा का अमीर-गरीब पर समान असर पड़ता है फिर भी अमीर लोग इससे बेपरवाह रहते हैं। निस्संदेह, शीर्ष अदालत ने समाज की दुखती रग पर हाथ रखा है। चौड़ी होती सड़कें, नए फ्लाईओवर और हाईवे बनने के बावजूद जाम और प्रदूषण कम नहीं हो रहे। कारण साफ है निजी वाहनों का बेहिसाब इस्तेमाल। एक व्यक्ति, एक कार का चलन न केवल सड़क की जगह घेरता है, बल्कि कार्बन उत्सर्जन को भी कई गुना बढ़ाता है। कभी ऑड-इवन जैसी योजनाओं पर चर्चा हुई, कार-पूलिंग की बात चली, लेकिन सार्वजनिक परिवहन को सस्ता, सुगम और भरोसेमंद बनाने की इच्छाशक्ति लगातार कमजोर रही। आज एसी, कूलर और अन्य वातानुकूलन साधनों का बढ़ता उपयोग भी पर्यावरण संकट को गहराता जा रहा है। इससे बिजली की खपत बढ़ती है, तापमान में वृद्धि होती है और अप्रत्यक्ष रूप से प्रदूषण का दायरा फैलता है। उद्योगों में भी पर्यावरणीय नियमों का ईमानदार पालन नहीं होता। जल संकट इसका एक और क्रूर उदाहरण है-जहां झुग्गी-बस्तियों में पीने के पानी की किल्लत है, वहीं पॉश कॉलोनियों में लॉन सींचे जाते हैं, कारें धुलती हैं और स्विमिंग पूल भरे रहते हैं। कुदरत ने हवा, पानी और संसाधन सभी के लिये दिए हैं, लेकिन अमीरी के असमान दखल ने इनके वितरण को अन्यायपूर्ण बना दिया है। राजनीतिक दल एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप तो करते हैं, लेकिन ठोस और दीर्घकालिक समाधान सामने नहीं आते।

अब समय आ गया है कि सरकार और जनता-दोनों अपनी भूमिका ईमानदारी से निभाएं। सरकार को सार्वजनिक परिवहन को मजबूत, सस्ता और आकर्षक बनाना होगा, उद्योगों पर पर्यावरणीय नियमों का कड़ाई से पालन कराना होगा और शहरी विकास की नीतियों को पर्यावरण-संवेदनशील बनाना होगा। वहीं जनता को भी अपनी जीवनशैली पर पुनर्विचार करना होगा-अनावश्यक वाहन उपयोग से बचना, ऊर्जा की खपत कम करना, एसी और अन्य सुविधाओं का संयमित इस्तेमाल करना और साझा संसाधनों के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाना होगा। विडंबना यह है कि सत्ताधीशों ने दिल्ली में सार्वजनिक ट्रांसपोर्ट को सशक्त करने को प्राथमिकता नहीं दी। यदि सार्वजनिक परिवहन सस्ता व सहज उपलब्ध होता तो शायद सड़कों पर कारों का दबाव कम होता। हाल के दिनों में संपन्न व मध्यम वर्ग में एसी व अन्य वातानुकूलन उपायों के उपयोग का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। इससे जहां प्रदूषण बढ़ाने वाली बिजली की खपत बढ़ी है, वहीं बाहर का तापमान व कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ा है। इसी तरह तमाम अमीरों द्वारा संचालित उद्योगों में उन उपायों का ईमानदारी से पालन नहीं किया गया जो पर्यावरण में प्रदूषण कम करने में सहायक होते हैं।

सरकारों की नीतिगत विफलता इस बढ़ते वायु प्रदूषण की त्रासदी का बड़ा कारण है। प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए योजनाएं तो बनती हैं, पर उनमें न तो स्थायित्व होता है, न गंभीरता। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं, निगरानी तंत्र कमजोर है, और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर कार्रवाई नगण्य है। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच जिम्मेदारी का बंटवारा अस्पष्ट है। हर साल सर्दियों में दिल्ली और उत्तर भारत के अन्य शहरों की हवा जहरीली हो जाती है, तब कुछ दिन के लिए ह्यआपात कदमह्न उठाए जाते हैं, पर जैसे ही धुंध छंटती है, सब कुछ फिर पहले जैसा हो जाता है। नीतियों में पारदर्शिता का अभाव और उद्योगपतियों का दबाव भी एक गहरी समस्या है। कोयला आधारित उद्योगों, पेट्रोलियम कंपनियों और निर्माण व्यवसाय से जुड़ी लॉबी सरकारों पर ऐसा प्रभाव बनाए रखती हैं कि कठोर कदम उठाना राजनीतिक दृष्टि से असुविधाजनक बन जाता है। स्वच्छ ऊर्जा की ओर संक्रमण को हमेशा ह्यमहंगा विकल्पह्न बताकर टाला जाता है, जबकि वास्तव में यह निवेश मानव जीवन और पर्यावरण की सुरक्षा में है।

वायु प्रदूषण का संकट केवल वातावरण में धूल और धुएं का मामला नहीं है, यह आर्थिक अन्याय, राजनीतिक असंवेदनशीलता और सामाजिक उदासीनता का प्रतीक बन चुका है। जो सरकारें जनजीवन सुधारने का वादा करती हैं, वे हवा की गुणवत्ता सुधारने में विफल रही हैं। आंकड़े बताते हैं कि वायु प्रदूषण से भारत की अर्थव्यवस्था को हर साल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग दस प्रतिशत तक का नुकसान हो रहा है। यह नुकसान केवल पैसों में नहीं, बल्कि मानव संसाधन की हानि, स्वास्थ्य पर बोझ और जीवन की गुणवत्ता में गिरावट के रूप में भी दिखाई देता है। अब समय है कि इस संकट को केवल पर्यावरणीय मुद्दा न मानकर एक सामाजिक और नैतिक चुनौती के रूप में देखा जाए। हवा का अधिकार हर नागरिक का मौलिक अधिकार है, लेकिन यह अधिकार धीरे-धीरे छिनता जा रहा है। अमीरों को अपनी जीवनशैली पर संयम लाना होगा, अपने निवेशों को स्वच्छ ऊर्जा की ओर मोड़ना होगा, और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों से दूरी बनानी होगी। सरकारों को सख्त नीति बनानी चाहिए, जो न केवल प्रदूषण फैलाने वालों को दंडित करे बल्कि स्वच्छ प्रौद्योगिकी अपनाने वालों को प्रोत्साहन दे।

वायु प्रदूषण एक सामूहिक अपराध बन गया है जिसमें अपराधी कम और पीड़ित अधिक हैं। अब यह वक्त है जब विकास की परिभाषा में स्वच्छ हवा और सुरक्षित वातावरण को सबसे ऊपर रखा जाए। सरकारें यदि सचमुच राष्ट्र की समृद्धि चाहती हैं, नया भारत-विकसित भारत बनाना चाहती है तो उन्हें सांसों की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। अमीर तबके को भी यह समझना होगा कि जिस हवा को वे अपने निवेशों से दूषित कर रहे हैं, वह अंततः उन्हीं की अगली पीढ़ियों की सांसों को रोक देगी। वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण को लेकर किसी किस्म की उदासीनता देश और मानवता के साथ अन्याय होगा। अमीरी होना कोई अपराध नहीं, लेकिन अमीरी की कीमत अगर गरीब चुकाए, तो वह सभ्य समाज की हार है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी और सोच हमें यही संदेश देती है कि स्वच्छ पर्यावरण के लिये कुछ सुखों का त्याग अनिवार्य है। यदि आज हमने अपनी आदतें नहीं बदलीं, तो आने वाली पीढ़ियों को हम केवल प्रदूषित हवा, सूखते जलस्रोत और असमानता की विरासत ही सौंप पाएंगे।

चिंतन-मनन

अनुशासन का पाठ

गुरु अंबुजानंद के पास अनेक शिष्य शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते थे। उनका आश्रम लंबे समय से चल रहा था। अब चूंकि अंबुजानंद काफी वृद्ध हो गए थे, गुरुकुल चलाना उनके लिए कठिन हो रहा था। वह अपने शिष्यों में से ही किसी एक को गुरुकुल का सारा कार्यभार सौंपना चाहते थे। एक दिन उन्होंने अपने 18 श्रेष्ठ विद्यार्थियों को अपने पास बुलाया। उन्होंने उनसे कहा, आप सभी प्रतिभाशाली, मेहनती और ईमानदार हैं। यदि मैं आपको शिक्षा के लिए किसी विशेष क्षेत्र में नियुक्त करना चाहूं तो आप कौन-कौन से क्षेत्र को चुनना चाहेंगे?

यह सुनकर सभी शिष्य कुछ देर सोचते रहे और फिर 17 विद्यार्थियों ने अपने-अपने मनपसंद क्षेत्रों के नाम गुरु को बता दिए। अठारहवां शिष्य आयुष अभी तक कुछ सोच ही रहा था। उसे चुप देखकर गुरु ने पूछा, बेटा आयुष, तुमने अपने लिए किसी क्षेत्र का चुनाव नहीं किया? गुरु की बात सुनकर आयुष ने सिर झुकाकर कहा, गुरुजी, मैंने आपसे ही शिक्षा ग्रहण की है। मैं आपके द्वारा सीखी गई शिक्षा को जन-जन तक फैलाना चाहता हूं। इसके लिए मुझे किसी क्षेत्र विशेष का चुनाव करने की आवश्यकता नहीं है। मैं हर क्षेत्र में आपके द्वारा प्रदान की गई शिक्षाओं को दूसरों तक पहुंचाना चाहूंगा। हालांकि क्षेत्र से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है आपके दिए गए मूल्य या संस्कार का प्रसार, जो शास्त्रों से अलग है। मैं चाहता हूं कि लोग उसे जानें ताकि वे नैतिक दृष्टि से भी श्रेष्ठ हों। मात्र पुस्तकीय ज्ञान से कुछ नहीं होने वाला है। आपने जो अनुशासन का पाठ हमें पढ़ाया है, उसे तो मैं विशेष रूप से सिखाना चाहूंगा। ज्ञान पाने के लिए व्यक्तित्व को एक खास सांचे में ढालना पड़ता है। आपने जिस तरह हमें ढाला है, मैं भी दूसरों को ढालना चाहूंगा। आयुष की बात सुनकर गुरु अंबुजानंद का चेहरा प्रसन्नता से खिल उठा। उन्होंने उसे गले से लगाकर कहा, बेटा, आज से यह गुरुकुल तुम्हारी देखरेख में ही चलेगा।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

किसी भी पेंशनर को कोई समस्या आती है तो उसका निस्तारण समय से किया जायेगा:- ओमप्रकाश गोला

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में विशिष्ठ अतिथि ओमप्रकाश गोला की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट परिसर स्थित गांधी सभागार में जनपद कोषागार अमरोहा की ओर से पेंशन दिवस का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम विशिष्ठ अतिथि ओमप्रकाश गोला, जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), वरिष्ठ कोषाधिकारी द्वारा पेंशनर्स संगठन के पदाधिकारियों को शॉल उड़ाकर सम्मानित कर माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने पेंशनर्स की समस्याओं को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया कि पेंशनर्स को भविष्य में किसी समस्या का सामना नही करना पडेगा। पेंशनर्स द्वारा समय-समय पर पेंशनर्स कक्ष की मांग की जाती रही है उसके लिये एरिया चिन्हित कर लिया गया है उन्होनें आश्वासन दिया कि जल्दी की स्वीकृति मिल जायेगी। विशिष्ठ अतिथि ओमप्रकाश गोला ने कहा कि यह बहुत ही सौभाग्य की बात है कि सेवा पूर्ण करने के उपरान्त पेंशनर्स पेंशन पा रहे है। उन्होनें कहा कि पेंशन का सीधा सम्बन्ध ट्रेजरी से होता है, इस बात की खुशी है कि जनपद अमरोहा की टेज्जरी द्वारा अपने कार्य का संचालन ठीक प्रकार किया जा रहा है। किसी भी पेंशनर को कोई समस्या आती है तो उसका निस्तारण समय से किया जा रहा है। उन्होनें कहा कि पेंशनर्स संगठित रहे क्योंकि संगठन में शक्ति होती है। पेंशनर्स के साथ प्रशासन का पूर्ण सहयोग है। जिलाधिकारी ने कहा कि पेंशन दिवस को आयोजित किये जाने के उददेश्य को पूरा करने का सार्थक प्रयास किया जाये, ताकि किसी पेंशनर को कठिनाई न हो। उन्होने कहा कि पेंशनर्स को पेंशन किसी न्योक्ता द्वारा दिया जाने वाला दान अथवा दया नही है, पेंशन उसका हक है और यह हक सम्मान सहित दिया जाये। उन्होनें कहा कि आपने अपने सर्विस टाईम में निष्ठा और अनुशासन से अपने कर्तव्यों का निर्वहन उचित प्रकार किया। उन्होने उपस्थित सभी पेंशनर्स से अनुग्रह किया कि आप सभी आज के युवाओं का मार्गदर्शन करें ताकि वे अपने जीवन का लक्ष्य प्राप्त कर देश की सेवा कर सकें। पेंशनर दिवस पर जनपद के पेंशन धारकों द्वारा लाइसेंस संबंधी प्रकरण, बीमा संबंधी प्रकरण, पारिवारिक पेंशन, पुलिस विभाग, कृषि विभाग द्वारा आदि सहित अनेक समस्याओं को जिलाधिकारी के समक्ष रखा, जिलाधिकारी जी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्धारित समय में उक्त कार्य को पूर्ण किया जाए ताकि किसी को किसी का सामना ना करना पड़े। जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि विभागीय अधिकारी निर्धारित समय सीमा के अन्दर उनका निस्तारण किया जाये। उन्होनें कहा कि पेंशनर्स हमारे आदरणीय एवं सम्मानित होते हैं इनके कार्य में कोताही न बरती जाए। जिलाधिकारी ने सभी पेंशन धारकों स्वस्थ रहने की कामना की और उनका हृदय से आभार व्यक्त किया। वरिष्ठ कोषाधिकारी अमरोहा ने जानकारी देते हुए कहा कि जनपद में सिविल राजकीय पेंशनर्स-2900, ऊर्जा विभाग-221, बेसिक शिक्षा विभाग-2079, माध्यमिक शिक्षा-804, उच्च शिक्षा-40 अन्य राज्य पेंशन-39, भूतपूर्व विधायक पेंशन-16 कुल- 6099 पेंशनर्स है। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी सरिता, वरिष्ठ कोषाधिकारी अशोक राव गौतम, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, उपनिदेशक कृषि राम प्रवेश, जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया, कोषाकार के लेखाकार विवेक द्विवेदी, बृजराज सिंह, नवीन शक्ति, सहायक लेखाकार पंकज कुमार सिंह, पायल पंवार आदि सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी व पेंशनर्स उपस्थित थे।

कला व भाषण प्रतियोगिता की विजयी छात्राओं को किया सम्मानित

अमरोहा: धूम्रपान निषेध दिवस पर कला व भाषण प्रतियोगिता में विजयी रहीं छात्राओं को ज्ञान भारती इंटर कॉलेज के प्रबंधक रोहताश शर्मा ने पेन प्रदान कर सम्मानित किया। मंगलवार को ज्ञान भारती इंटर कॉलेज में धूम्रपान निषेध दिवस पर कला व भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें छात्राओं ने चित्रकला के माध्यम से बताया कि धूम्रपान करने से क्या नुकसान हैं। भाषण प्रतियोगिता में विचार रखते हुए कहा कि बीड़ी, तंबाकू, गुटखा खाने से कैंसर जैसी घातक बीमारियां हो सकती हैं। कला व भाषण प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाली छात्राओं टीना, सिमरन कौर, निशि, अलशिफजा, तंजीम खान, माहिरा, निदा को बुधवार सुबह कॉलेज प्रबंधक रोहताश शर्मा ने पेन प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान प्रबंधक ने कहा कि जिन छात्राओं को पेन प्रदान किया जा रहा है, उनसे अन्य को भी प्रेरणा लेनी चाहिए। इस मौके पर उमेश कुमार, प्रभाष कुमार, महेश कुमार, लोकेंद्र सिंह, पप्पू कुमार यादव, हरीश कुमार वर्मा, पूजा देवी, रुकमिणी तिवारी, कविता शर्मा, ज्योति शर्मा आदि स्टाफ मौजूद रहा।

ग्रामोद्योग विभाग द्वारा एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गजेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि उ०प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा खादी एवं ग्रामोद्योग के माध्यम से रोजगार सृजन हेतु संचालित योजनाओं एवं क्रिया कलापों तथा कार्यरत उद्यमियों को उत्पाद विकास, गुणवत्ता एवं आधुनिक तकनीक की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला ग्रामोद्योग अधिकारी अमरोहा द्वारा बुधवार को विपणन विकास सहायता (एस.सी.एस.पी.) योजनान्तर्गत राजकीय आईटीआई० कैशोपुर, कैलसा रोड, अमरोहा में दिन में समय 12.00 बजे से जागरूकता शिविर कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि ओमप्रकाश गोला प्रजापति , निवर्तमान अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड, एवं उमेश कुमार प्रजापति, अग्रणी जिला प्रबन्धक, केनरा बैंक अमरोहा, राहुल कण्ण शर्मा, प्राचार्य राजकीय आईटीआई० अमरोहा, योगेश कुमार, एफएलसी० केनरा बैंक, अमरोहा, स्वाधीन कुमार, वरिष्ठ सहायक, विकास कुमार आदि उपस्थित रहें। जागरूकता कार्यक्रम में अतिथि ओमप्रकाश गोला प्रजापति, निवर्तमान अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड, एवं जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गजेन्द्र सिंह द्वारा नवयुवक / नवयुवतियों को विभाग द्वारा संचालित योजनाओं मुख्यमन्त्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना, मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना, प्रशिक्षण व माटीकला उद्योग आदि से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी के साथ-साथ आवेदन करने हेतु आवश्यक प्रपत्रों,
पंजीकरण / प्रमाण पत्रों प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने एवं विपणन सम्बन्धी जानकारी प्रदान की गई, उमेश कुमार प्रजापति, अग्रणी जिला प्रबन्धक, केनरा बैंक, अमरोहा, द्वारा प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए बैंकिंग साक्षरता की जानकारी दी तथा बैंक स्तर से पूर्ण सहयोग किये जाने का आश्वासन दिया गया।

NH-9 पर कोहरे का प्रकोप जारी, तापमान 2 डिग्री गिरा, धीमी हुई वाहनो की रफ्तार

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- कड़ाके की ठंड और घने कोहरे का प्रकोप क्षेत्र में लगातार जारी है जिसके चलते सड़कों पर विजिबिलिटी भी लगभग शून्य हो गई है,सड़कों पर घना कोर होने के कारण आसपास की चीजें दिखाई देनी बंद सी हो गई है। बता दें कि बुधवार सुबह से ही पूरे जिले में कोहरे की घनी चादर छाई रही। घने कोहरे के कारण जनजीवन भी अस्त व्यस्त हो गया है, नेशनल हाईवे 9 पर वाहनों को धीमी गति से और हेडलाइट जलाकर चलना पड़ रहा है, सड़कों पर वाहनों की रफ्तार पर ब्रेक लग गया है। वहीं अगर तापमान की बात करें तो पिछले 24 घंटों में तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। बुधवार सुबह अमरोहा का अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया ।बढ़ती ठंड का असर लोगों की सेहत पर भी पड़ता दिखाई दे रहा है
,वहीं स्कूलों के बच्चे भी इस कड़कड़ाती ठंड में स्कूल जाने को मजबूर हैं, ठंड से बचने के लिए लोग सड़कों के किनारे और चौराहों पर अलाव का सहारा लेते दिखाई दे रहे हैं।

ब्लॉक परिसर में एक दिवसीय किसान गोष्ठी का आयोजन

मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख ने जैविक खेती और सरकारी योजनाओं के बारे में दी जानकारी

रहरा/अमरोहा(सब का सपना):- जनपद के विकासखंड गंगेश्वरी में एक दिवसीय किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़गवंशी ने शिरकत की और किसानों को जैविक खेती अपनाने तथा सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। गोष्ठी का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से अवगत कराना था, जिससे वे अपनी उपज बढ़ा सकें और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में योगदान दे सकें। ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़गवंशी ने संबोधन में कहा, जैविक खेती न केवल मिट्टी की उर्वरता बनाए रखती है, बल्कि किसानों की आय को भी दोगुना करने का माध्यम है। सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे कृषि यंत्रों पर सब्सिडी, सोलर पंप की स्थापना, निशुल्क बीज वितरण आदि का लाभ उठाकर हम सब किसान भाई अपने खेतों को समृद्ध बना सकते हैं। इन योजनाओं में बढ़चढ़कर भागीदारी लें, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे रासायनिक उर्वरकों के बजाय जैविक खाद का उपयोग करें, जो स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए लाभकारी है। गोष्ठी में कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को जैविक खेती की तकनीकों, मिट्टी परीक्षण और फसल चक्रण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही, सरकारी योजनाओं के आवेदन प्रक्रिया और लाभों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय किसान उपस्थित रहे, जिन्होंने विभिन्न सवाल उठाए और विशेषज्ञों से समाधान प्राप्त किए। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड़गवंशी के अलावा कपिल कुमार (एसएमएस), मुकेश कुमार, कैलाश सिंह सैनी, वीरेंद्र सिंह (एटीएम), जितेंद्र सिंह (बीटीएम) तथा कृषि सखियां भी मौजूद रहीं। आयोजन को सफल बनाने में विकासखंड स्तर के कृषि अधिकारियों और कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

अटल टावर, घंटाघर और तिरंगा झंडा 110 फिट का. आचार्य प्रमोद कृष्णम बोले- सैदनगली नगर पंचायत का विकास बुलंदियों की ओर

सैदनगली। जनपद अमरोहा की नवसृजित नगर पंचायत सैदनगली विकास के मामले में हीरे की तरह चमक रही है। यहां मंदिरों और सड़कों का विकास किसी से छिपा नहीं है। यह बात कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने डॉ. केशव राव बलिराम हेडगवार स्मृति द्वार अथवा भगवत शरण शर्मा स्मृति द्वार का लोकार्पण करने के बाद आयोजित कार्यक्रम में कहीं। डॉ. केशव राव बलिराम हेडगेवार स्मृति द्वार का लोकार्पण कार्यक्रम उन्होंने कहा कि यहां अटल टावर की ऊंचाई 110 फिट, घंटाघर की ऊंचाई 110 फिट और तिरंगे झंडे की ऊंचाई 110 फिट है। यह तीनों स्थान गवाही दे रहे हैं कि नगर पंचायत का विकास बुलंदियों की तरफ है। तीन करोड़ की लागत से बरात घर की स्थापना जनता की सुविधा के लिए की जा रही है। डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना युवाओं के उज्जवल भविष्य के लिए की जा रही है। हनुमान जी की 60 फिट ऊंची प्रतिमा स्थापित की जा रही है। ऐसे कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को शामिल होना चाहिए। आचार्य प्रमोद कृष्णम का किया स्वागत सहारनपुर से आए स्वामी दीपांकर जी महाराज ने कहा कि हिंदू धर्म की उन्नति के लिए जातियों को समाप्त करना होगा। उन्होंने नगर पंचायत सैदनगली में डॉ. केशव राव बलिराम हेडगेवार की स्मृति में द्वार बनाने के नगर पंचायत बोर्ड के निर्णय की सराहना की। भाजपा के जिला महामंत्री अभिनव कौशिक ने अरविंद अरौड़ा विभाग संचालक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, स्वामी दीपांकर जी महाराज एवं आचार्य प्रमोद कृष्णम को स्मृति चिन्ह तथा शाल भेंटकर एवं गुलदस्ता देकर स्वागत किया। अभिनव कौशिक ने अतिथियों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह द्वार नगर पंचायत सैदनगली को एक नई पहचान प्रदान करेगा। ये रहे मौजूद इस मौके पर विभाग परिचारक शरद कुमार, जिला संघचालक रणवीर सिंह, जिला प्रचारक योगेंद्र कुमार, जिला कार्यवाह होशियार सिंह, मनोज दास गुरु जी, नगर पालिका अध्यक्ष धनौरा प्रवीण अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष शरद गर्ग, अधिशासी अधिकारी सलिल भारद्वाज, पूर्व जिला पंचायत सदस्य कुंवरपाल खड़गवंशी, डा. पुनीत गुप्ता, दिवाकर पाण्डेय, जिलाध्यक्ष भारतीय किसान संघ चंद्रप्रकाश शर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता महेश खड़गवंशी आदि मौजूद रहे।

बेसिक शिक्षा विभाग की जनपद स्तरीय पाक कला प्रतियोगिता का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- बेसिक शिक्षा विभाग की मध्यान्ह भोजन योजना के अंतर्गत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय प्रांगण में जनपद स्तरीय पाक कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विभिन्न विकासखंडों से चयनित 30 रसोइयों ने इसमें भाग लिया। प्रतियोगिता में सप्ताह के छह दिनों के मेनू अनुसार भोजन तैयार किया गया। निर्णायक मंडल ने पाक कला, भोजन के स्वाद, पौष्टिक तत्वों, बनाने के तरीके, स्वच्छता, सुरक्षा, सभ्य व्यवहार, एप्रन ड्रेस तथा हेड कवर के उपयोग के आधार पर अंक प्रदान किए। निर्णायकों में प्रभारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भारत भूषण त्यागी, कुलदीप कुमार दीक्षित, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा नामित महिला चिकित्सक डॉ. नगमा, जिला विद्यालय निरीक्षक प्रतिनिधि मदनपाल सिंह, गृह विज्ञान प्रवक्ता पुनीता तथा विभिन्न विद्यालयों से आए 12 बच्चों ने भूमिका निभाई।मुख्य अतिथि समाजसेवी नीरज कौर, रजत सिंह खालसा वेलफेयर ट्रस्ट अमरोहा के अध्यक्ष तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. दीपक अग्रवाल (जिला ट्रांसजेंडर सुरक्षा प्रकोष्ठ सदस्य), प्रभारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भारत भूषण त्यागी सहित अन्य अतिथियों ने विजेताओं को सम्मानित किया। प्रथम स्थान मल्टी कंपोजिट विद्यालय सकना कमल, द्वितीय स्थान आंचल देवी कंपोजिट विद्यालय रायपुर (शहजादपुर, विकासखंड जॉय), तृतीय स्थान भोली प्राथमिक विद्यालय रह्मतपुर (खालसा, विकासखंड गजरौला) ने प्राप्त किया। विजेताओं को क्रमशः 3500, 2500 तथा 1500 रुपये की धनराशि ऑनलाइन हस्तांतरित की गई। सभी 30 रसोइयों को 300 रुपये पुरस्कार, 350 रुपये यात्रा भत्ता (कुल 650 रुपये) तथा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। यह आयोजन रसोइयों का उत्साहवर्धन करने और मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया।

जनपद में पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता-जिलाधिकारी

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने जनपद के सभी किसानों को सूचित करते हुए बताया कि जनपद में पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता है। 17 दिसंबर 2025 को जनपद में 16861 मी0टन यूरिया, 3570 मी०टन डी०ए०पी० एवं 6846 मी०टन एन०पी० के० उर्वरक सपलब्ध है। जनपद के किसानों से अपील है कि जोत के आकार और फसल की संस्तुति के अनुसार ही संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करें। अधिक मात्रा में यूरिया उर्वरक का पयोग करने से फसलों की वानस्पतिक वृद्धि अधिक हो जाने के कारण फसलों में बीमारियों/ रोगों की सम्भावना भी बढ़ जाती है। उन्होंने जनपद के सभी खुदरा उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित करते हुए कहा कि किसानों को नियमानुसार पी०ओ०एस० मशीन से उर्वरकों का वितरण किया जाये। जनपद के सभी उर्वरक विक्रेताओं को यह भी निर्देशित किया जाता है कि किसानों को दी जाने वाली रसीद बुक, स्टॉक और सेल रजिस्टर अपडेटेड रखें। उर्वरक का भौतिक स्टॉक एवं पी०ओ०एस० मशीन का स्टॉक समान होना चाहिए तथा उर्वरक विकय केन्द्रों पर स्टॉक और रेट बोर्ड जरूर लगा हो किसी भी दशा में यदि उर्वरक विकता के द्वारा ओवररेटिंग, कालाबाजारी या टैगिंग (मुख्य उर्वरकों के साथ जबरदस्ती अन्य उत्पादों को किसानो को विकय करना) की शिकायत प्रकाश में आती है तो सम्बन्धित खुदरा उर्वरक विकेता, थोक उर्वरक विक्रेता एवं उर्वरक प्रदायकर्ता संस्था के द्वारा किसी भी स्तर पर कोई अनियमितता की जाती है तो नियमानुसार आपके विरूद्ध एफ०आई०आर०/कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

जनपद में बिना परमिशन के नशा मुक्ति केंद्र चला तो होगी कार्रवाई:- पुलिस अधीक्षक

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई की अध्यक्षता में नारकोटिक्स एनकॉर्ड से संबंधित बैठक का आयोजन किया गया।बैठक के अन्तर्गत जिला आबकारी अधिकारी द्वारा बैठक के प्रमुख बिन्दुओं के विषय में पुलिस अधीक्षक को जानकारी प्रदान की। मानस पोर्टल एवं समग्र भारत में ड्रग्स की शिकायतों हेतु जारी हेल्पलाइन नंबर 1933 के प्रचार प्रसार को लेकर चर्चा की गयी। पुलिस अधीक्षक ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि पम्पलेट छपवाते हुए हर थाना, चौकी एवं स्कूल विद्यालयों में चस्पा किया जाए और उन्होंने कहा कि जनपद के प्रमुख चौराहा पर भी चस्पा करते हुए प्रचार प्रसार करना सुनिश्चित करें। पुलिस अधीक्षक ने हेल्पलाइन नंबर की मॉनिटरिंग के विषय में जानकारी प्राप्त करते हुए संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि हेल्पलाइन नंबर 1933 की समीक्षा अति आवश्यक है, इस पर जनपद सम्भल से कितनी शिकायतें आती हैं। और किसके आधार पर उनका निस्तारण किया जाता है और कितनी शिकायतों का निस्तारण किया गया उसके विषय में भी जानकारी प्राप्त की और संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

व्यापार कर एवं आबकारी विभाग संयुक्त रूप से राजमार्ग तथा अन्य जनपद से आने वाले मार्गों पर चैकिंग के समय अवैध शराब एवं अन्य मादक पदार्थों की तस्करी के दृष्टिगत संदिग्ध वाहनों की जांच के संबंध में चर्चा की गयी। जनपद के समस्त मैडिकल स्टोरों के साथ मनः प्रभावी औषिधि के डॉक्टर द्वारा मरीजों को प्रिस्क्रिप्शन पर एक सप्ताह की ही दवाई लिखने के बिन्दु पर चर्चा की गयी एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इंजेक्शन सिरीज के माध्यम से ड्रग्स आदि लेने के बिन्दु को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सामाजिक एवं आध्यात्मिक संस्थाओं यथा गायत्री परिवार तथा ब्रहमकुमारी प्रजापिता आदि के द्वारा जनपद में एक युद्ध नशे के विरुद्ध के प्रचार प्रसार को लेकर पुलिस अधीक्षक द्वारा सराहना की तथा संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि डिग्री कॉलेज पर विशेष फोकस करते हुए वहाँ जागरुकता से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किये जाएं तथा अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जाए। बाल संसद एवं प्रहरी क्लब पर भी चर्चा की गयी एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। ब्रहमकुमारी प्रजापिता संस्था के प्रतिनिधियों द्वारा राजघाट बबराला के पास घाट पर साफ सफाई को लेकर कहा जिसपर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। ब्रहमकुमारी प्रजापिता संस्था के द्वारा तीन लोगों को बैठक में बुलाया गया जिन्होंने नशा को त्याग दिया और अच्छे रास्ते पर चल रहे हैं उन लोगों से पुलिस अधीक्षक ने वार्ता की और उनका नशा मुक्त होने पर बधाई दी। पुलिस अधीक्षक ने कहा आप और लोगों को भी प्रेरित करें जिससे वह नशा को छोड़ दें और अपने परिवार के साथ अच्छा जीवन यापन करें। जिन लोगों ने नशा छोड़ा है उनके नाम भी निम्नलिखित है रमेश कुमार ग्राम बिसार, कमलकांत बहजोई, महेश कुमार बहजोई, पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में कोई भी बिना परमिशन के नशा मुक्ति केंद्र ना चले इसको प्रत्येक दशा में देख ले नहीं तो करवाई संज्ञान में लाई जाएगी। इस अवसर पर जिला आबकारी अधिकारी अनुपम राजन सहित समस्त आबकारी निरीक्षक, औषधि निरीक्षक जयेन्द्र कुमार एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी एवं ब्रहम कुमारी प्रजापिता संस्था के प्रतिनिधि आदि उपस्थिति रहे।

डीएम और एसपी ने की पैदल गस्त, जनता से की सदभाव और भाईचारे की अपील

संभल(सब का सपना):- कानून व्यवस्था और शांति बनाए रखने के उद्देश्य से जिला प्रशासन और पुलिस ने सक्रिय कदम उठाया है। जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पेंसिया और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने थाना संभल क्षेत्र के मुख्य बाजारों तथा भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस बल के साथ पैदल गस्त की। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने अपराध नियंत्रण, कानून एवं शांति व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ आमजन में सुरक्षा की भावना जागृत करने पर जोर दिया। पैदल गस्त के दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से संवाद स्थापित किया, उनकी समस्याओं को सुना और जनता में सुरक्षा का भरोसा कायम करने का प्रयास किया। जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पेंसिया और एसपी कृष्ण कुमार ने कस्बावासियों से सद्भावपूर्ण व्यवहार बनाए रखने तथा आपसी भाईचारे से रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि जिले में शांति और विकास सभी की साझा जिम्मेदारी है और किसी भी प्रकार की अफवाह या असामाजिक तत्वों से सतर्क रहें। यह पहल जिले में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने तथा त्योहारों व सामान्य दिनों में शांति सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। प्रशासन का कहना है कि ऐसी गस्त नियमित रूप से जारी रहेगी ताकि जनमानस में विश्वास बना रहे।

अधिवक्ताओं का जोरदार प्रदर्शन, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट बेंच की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे

सम्भल(सब का सपना):- पश्चिम उत्तर प्रदेश हाई कोर्ट बेंच निर्माण समिति के आह्वान पर सम्पूर्ण पश्चिम उत्तर प्रदेश के साथ ही सम्भल के अधिवक्ता सड़कों पर उतरे अधिवक्ताओं ने विशाल जुलूस निकालकर नारेबाजी की और नई तहसील पहुंचकर महामहिम राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी सम्भल को सौपा आंदोलन के दौरान मोहम्मद इस्लाम एडवोकेट ने कहा कि हाई कोर्ट की बेंच पश्चिम उत्तर प्रदेश के अधिवक्ताओं का हक है प्रदीप गुप्ता एडवोकेट ने कहा कि पश्चिम उत्तर प्रदेश के अधिवक्ता लगातार 40 सालों से हाई कोर्ट की बेंच की स्थापना की मांग कर रहे हैं सरकार को अधिवक्ताओं की मांग को मानते हुए पश्चिम उत्तर प्रदेश मैं हाई कोर्ट की बेंच की स्थापना करनी चाहिए शरद भारद्वाज एडवोकेट ने कहा चाहिए. अमित कुमार उठबाल एडवोकेट ने कहा कि आज पश्चिम उत्तर प्रदेश का अधिवक्ता सड़कों पर है सरकार को चाहिए कि जनता को सस्ता और सुलभ न्याय देने के उद्देश्य से तत्काल पश्चिम उत्तर प्रदेश के किसी भी जिले मैं तत्काल हाई कोर्ट की बेंच की स्थापना करे अगर सरकार ने इस मांग को पूरा नहीं किया तो अधिवक्ताओं को उग्र धरना प्रदर्शन को बाध्य होना पड़ेगा प्रदर्शन मैं मुख्य रूप से देवेन्द्र पाल, शरद भारद्वाज, प्रदीप गुप्ता, मोहम्मद इस्लाम, अब्दुल रहमान, उमर अल्वी, सरफराज हुसैन, माधव मिश्रा, राजीव भटनागर, मुनीश शर्मा, राकेश गुप्ता, मुहम्मद कामिल शादाब बिन,अली सादिक, मोहम्मद जफर, सचिन चौहान, डॉ अमित कुमार उठबाल, अभिलाष शुक्ला आदि अधिवक्ता शामिल हुए।

संभल में तीन मीट शॉप्स पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई दो के लाइसेंस रद्द, एक पर निलंबन

संभल(सब का सपना):- जनपद में अवैध मीट कारोबार और नियमों के उल्लंघन को लेकर प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। जिलाधिकारी के निर्देशन में थाना असमोली क्षेत्र के ग्राम मदाला फतेहपुर में संचालित दो मीट शॉप्स के खाद्य पंजीकरण निरस्त कर दिए गए हैं, जबकि सिरसी क्षेत्र की एक अन्य मीट शॉप का पंजीकरण निलंबित किया गया है। जानकारी के अनुसार, शाने आलम मीट शॉप (संचालकः शाने आलम पुत्र मो. असलम) और नाजिम मीट शॉप (संचालकः नाजिम पुत्र भूरे) पर उत्तर प्रदेश गौवध निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज होने के बाद इनके पंजीकरण पहले निलंबित किए गए थे। संचालकों को स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर दोनों शॉप्स के खाद्य पंजीकरण स्थायी रूप से रद्द कर दिए गए। प्रशासन ने इन मीट शॉप्स को हमेशा के लिए बंद रखने के सख्त आदेश जारी किए हैं। इसके अलावा, चाँद आलम मीट शॉप (संचालकः चांद आलम पुत्र शमसुद्दीन, सिरसी) का निरीक्षण किया गया। यहां धार्मिक स्थल से निर्धारित दूरी का पालन नहीं होने के कारण खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 तथा नियम-विनियम 2011 का उल्लंघन पाया गया। इस शॉप का खाद्य पंजीकरण निलंबित कर दिया गया है और इसे तत्काल बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। संचालक को निर्धारित समय में संतोषजनक जवाब या स्थान परिवर्तन नहीं करने पर पंजीकरण पूरी तरह निरस्त करने की चेतावनी दी गई है। प्रशासन का कहना है कि खाद्य सुरक्षा मानकों और कानूनी प्रावधानों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाएगा। अवैध मीट कारोबार पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। इस कार्रवाई से स्थानीय स्तर पर मीट व्यापारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किसान दिवस बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किसान दिवस बैठक का आयोजन किया किया गया। बैठक में उपस्थित कृषि विज्ञान केन्द्र से आये कृषि वैज्ञानिक कृषि वैज्ञानिक डॉ. महावीर सिंह द्वारा रामसामायिक फसलों की जानकारी देते हुए अवगत कराया कि वर्तमान में जनपद में आलू, सरसों, गेहूँ आदि की फसल मुख्य रूप से खेतों में लगी हुई है। आलू की फसल में सामान्य रूप से काली चेचक (अर्ली ब्लैक) नामक रोग लग जाता है जिसकी रोकथाम के लिए आलू की फसल में मैनकोजैव का स्प्रे कर सकते हैं। मिट्टी के उपचार हेतु ट्राइकोडर्मा 01-02 कि.ग्रा. प्रति एकड के हिसाब गोवर में मिलाकर प्रयोग करने के बारे में बताया। साथ ही आगामी दिनों में मौसम खराब होने पर किसान भाई आलू की फसल पर मैटाएक्सेल 03ग्रा. प्रति लि. पानी में घोल बनाकर छिडकाव करें। सरसों की फसल में 40-45 दिनों के उपरान्त ही पानी लगाये जाने एवं फसल में पानी की लागत कम करने हेतु थायोयूरिया का इस्तेमाल करने का सुझाव दिया। इसी प्रकार गेंहूँ फसल के बारे में अवगत कराया कि इस समय गेंहूँ की फसल में सर्वाधिक आद्रता एवं नाईट्रोजन की आवश्यकता होती है। साथ ही जिन किसान भाइयों की जमीन मोटी हैं उनमें यूरिया डालने का सुझाव दिया। गेंहूँ फसल में खरपतवारनाशी का इस्तेमाल करने के लिए वाइड स्प्रेक्ट्रम वीडीसाइड जैसे सल्फोसल्फ्यूरोन आदि का इस्तेमाल करने के लिए सुझाव दिया। यह सभी खरपतवारनाशी कृषि रक्षा इकाइयों पर 50 प्रति. अनुदान पर उपलब्ध

होने के बारे में भी अवगत कराया। गन्ने की फसल में खरपतवार की रोकथाम हेतु सैम्प्रा दवाई 36 ग्रा. प्रति एकड प्रति 150-175 लीटर पानी में मिलाकर छिडकाव करें। साथ ही किसान भाइयों को खेतों में यूरिया का अधिक इस्तेमाल करने से होने वाले दुष्प्रभावों हेतु सचेत भी किया गया। मिट्टी के विभिन्न प्रकारों से भी किसानों को अवगत कराते हुए बताया गया कि किसान भाई मिट्टी के अनुरूप ही फसलों की सिचाई निर्धारित करें। जिला उद्यान अधिकारी सम्भल द्वारा उद्यान विभाग के माध्यम से संचालित प्रधानमंत्री सूक्ष्म उद्योग उन्नयन योजना का मुख्य उद्देश्य खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में काम करने वाले छोटे उद्यमियों को बढावा देना है एवं प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना के द्वारा पौधशालाओं की सिचाई हेतु जल स्त्रोत बनाना एवं सूक्ष्म स्तर पर बारिश का जल संचय कर इस्तेमाल करने हेतु जानकारी उपलब्ध करायी गयी। इसी क्रम में फसल बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि द्वारा किसानों को अपनी फसलों का 31 दिसम्बर तक बीमा कराये जाने हेतु अवगत कराया गया एवं फसल बीमा के अन्तर्गत आने वाली फसलों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। साथ ही फसल क्षति सम्बन्धित कोई घटना होने पर कम्पनी के टोल-फ्री नम्बर पर 72 घंटे में सूचना दर्ज कराये जाने हेतु अवगत कराया गया। वार्ता के क्रम में सहायक आयुक्त एवं निबन्धक सहकारिता सम्भल द्वारा जनपद के किसानों हेतु 2169मी0 टन की पर्याप्त खाद समस्त सहकारी समितियों पर उपलब्ध होना अवगत कराया। उप कृषि निदेशक, सम्भल द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत 21 वी किस्त के हस्तानांन्तरण एवं योजनान्तर्गत ऐसे किसान भाइयों जिनकी किस्त नहीं आ रही है उनको अपना भूलेख अंकन, आधार को बैंक खाते से लिंक कराना एवं फेशियल ई०के० वाई०सी० कराने हेतु विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। पी०एम० सूर्यघर मुफ्त बिजली योजनान्तर्गत रूफटॉप पर सोलर पेनल लगवाये जाने से बिजली बिल में होने वाले धनलाभ के बारे में जागरूक किया गया। किसानों को पी०एम० कुसुम योजनान्तर्गत सोलर पंप लगवाये जाने एवं कृषि विभाग द्वारा संचालित अन्य योजनाएँ यथा कृषि यंत्रीकरण योजना, मिलेट्स पुनरुद्धार योजना आदि के लाभों से भी अवगत कराया गया साथ ही श्री अन्न फसलों के सेवन से होने वाले स्वास्थ्य लाभों के प्रति भी जागरूक किया गया। साथ ही कृषकों को पराली जलाने के कारण पर्यावरण पर होने वाले दुष्प्रभावों एवं अधिरोपित होने वाला जुमार्ना से भी अवगत कराया। बैठक में कृषकों द्वारा जनपद में विभिन्न समस्याऐं यथा बाजरा क्रय केन्द्रों के माध्यम से बाजरा सरकारी मूल्यों पर बेचने में आ रही समस्या, सोसाइटी के माध्यम से खाद आपूर्ति में आ रही समस्या एवं उर्वरक की ओवर रेटिंग एवं ओवर टैगिंग से सम्बन्धित शिकायतों को सम्बन्धित अधिकारियों के संज्ञान में लाया गया। जिलाधिकारी द्वारा जनपद के कृषकों को वर्तमान में बीजों के तेजी से बढते मूल्यों के कारण बीजों के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने हेतु जागरूक किया गया। साथ ही किसानों को रसायनिक खेती के दुष्प्रभावों से सचेत करने हेतु जैविक खेती को अपनाने हेतु निर्देशित किया गया एवं यह भी अवगत कराया गया कि कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से बचने के लिए जैविक खेती को एक मात्र विकल्प के रूप में अपनाने हेतु जागरूक भी किया एवं किसानों को वर्तमान सीजन में खाद की आपूर्ति को निर्बाध रूप से उपलब्ध कराये जाने हेतु आश्वस्त किया। पराली जलाये जाने पर होने वाली दण्डनीय कार्यवाही से कृषकों को सचेत भी किया। किसानों से निर्धारित मात्रा के अनुरूप खेतों में खाद का उपयोग करने हेतु निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत 21 वी किस्त प्राप्त करने हेतु ऐसे कृषक जिन्होंने भूलेख अंकन एवं ई०के०वाई०सी० सम्बन्धित अनिवार्य अर्हताऐं पूर्ण नहीं करायी है उनको पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अन्तर्गत अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग सुनील प्रकाश द्वारा पूर्व में की गयी सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में जिलाधिकारी द्वारा दिये गये निदेशों के क्रम में उनके अनुपालन के विषय में अवगत कराया। जनपद में नये चैक पोस्ट को लेकर भी जानकारी प्राप्त की गयी । स्कूली वाहनों के फिटनेस ,नो हेलमेट नो फ्यूल,जनपद की सड़क दुर्घटनाओं की तुलनात्मक समीक्षा ई- रिक्शा आदि बिन्दुओं पर भी चर्चा की गयी संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक में निर्देशित करते हुए कहा कि सड़क के किनारे जो वाहन खड़े रहते हैं उनको प्रत्येक दशा में चेक किया जाए और उन्होंने बताया कि जनपद में क्रिटिकल कॉरिडोर टीम का गठन किया जाएगा इसके माध्यम

से और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कोहरे की दृष्टिगत 112 की गाड़ियां सही स्थान पर रहे और उन्होंने कहा कि पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए। जिलाधिकारी ने ट्रैक्टर ट्रॉली पर रिफ्लेक्टर लगाए जाने की कार्रवाई के विषय में जानकारी प्राप्त की उन्होंने कहा कि शुगर मिलों के द्वारा इस कार्रवाई को और बढ़ाया जाए और उन्होंने कहा कि जनपद के समस्त थाना वार विद्यालय से समन्वय स्थापित करते हुए एनएसएस के बच्चे स्काउट गाइड के बच्चों के माध्यम से रिफ्लेक्टर लगवाई जाए जिससे जनपद में अधिक से अधिक रिफ्लेक्टर लग सकें। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में हाईवे पर कोई भी ई रिक्शा ना चले इसको प्रतिबंधित किया। जिलाधिकारी ने दिव्यांग बच्चों को लाने ले जाने के लिए स्कूल की गाड़ियों के लिए स्कूल के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि शासन स्तर पर 21 तरह की दिव्यंगिता को चिन्हित किया है उसका सभी स्कूल सहयोग करें और उन बच्चों को मूल धारा में लाने के लिए अपना योगदान दें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, क्षेत्राधिकारी यातायात दीपक तिवारी एवं अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग सुनील प्रकाश, एआरटीओ अमिताभ चतुर्वेदी एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस मुठभेड़ में शातिर वाहन चोर घायल, चोरी की स्विफ्ट डिजायर व अवैध हथियार बरामद

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई के कुशल निर्देशन में चंदौसी थाना पुलिस ने मंगलवार को एक बड़ी सफलता हासिल की। आटा मॉल के सामने सैनिक चौराहे से कैथल जाने वाले रास्ते पर चेकिंग के दौरान पुलिस और एक शातिर अभियुक्त के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में घायल हुए अभियुक्त की पहचान आकाश बाबू पुत्र विजयपाल, निवासी गाजियाबाद के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की एक स्विफ्ट डिजायर कार, विभिन्न प्रकार की चाबियां, अवैध 315 बोर का तमंचा, एक खोखा कारतूस और

तीन जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, अभियुक्त भागते समय पुलिस पार्टी पर फायरिंग करने लगा। आत्मरक्षा में पुलिस की जवाबी फायरिंग से आकाश बाबू के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। उसे तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। मुठभेड़ की सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी चंदौसी सहित आसपास के थानों का पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। घटना के बाद थाना चंदौसी में अभियोग पंजीकृत कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि वाहन चोरों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा और अपराधियों का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। यह मुठभेड़ जिले में अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस की सतर्कता का उदाहरण है।

छह मुख्य आरक्षी कंधे पर लगे स्टार उप निरीक्षक के पद पर किए गए पदोन्नत

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने पुलिस कार्यालय में एक उत्साहजनक समारोह का आयोजन किया, जहां मुख्य आरक्षी से उपनिरीक्षक के पद पर पदोन्नति प्राप्त करने वाले छह पुलिसकर्मियों के कंधों पर रैंक प्रतीक चिन्ह (स्टार) लगाकर उनका उत्साहवर्धन किया। एसपी ने पदोन्नत कर्मियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की, जो पुलिस विभाग में समर्पण और कड़ी मेहनत का प्रतीक है। यह पदोन्नति पुलिस विभाग में उत्कृष्ट सेवा और लगनशीलता के लिए प्रदान की गई है। समारोह में एसपी कृष्ण कुमार ने कहा कि ये पुलिसकर्मी न केवल विभाग का गौरव बढ़ा रहे हैं, बल्कि

जनसेवा में भी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने पदोन्नत अधिकारियों को नई जिम्मेदारियों को निभाने के लिए प्रेरित किया और विभागीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में योगदान देने का आह्वान किया। पदोन्नति प्राप्त करने वाले पुलिसकर्मियों में गजराम सिंह (यूपी 112) इफ्तेखार अहमद (न्यायालय सुरक्षा) सत्यवीर सिंह पाल (न्यायालय सुरक्षा) बिजेन्द्र सिंह (थाना असमोली) सूबे राम (यूपी 112) सत्यप्रकाश शर्मा (यातायात) शामिल हैं।

ये सभी कर्मी विभिन्न विभागों में अपनी सक्रिय भूमिका के लिए जाने जाते हैं। पदोन्नति के बाद इन्हें उपनिरीक्षक के रूप में नई जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, जो कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने में सहायक सिद्ध होंगी।

अनमोल बिश्नोई-हैरी बॉक्सर गैंग के 5 शूटर गिरफ्तार; चंडीगढ़, अमृतसर और पंचकूला में हत्याकांडों के हैं आरोपी

नई दिल्ली : दिल्ली पुलिस ने अनमोल बिश्नोई-हैरी बॉक्सर गैंग के 5 शूटरों को गिरफ्तार किया है। ये शूटर चंडीगढ़, अमृतसर और पंचकूला में हुए हत्याकांडों में शामिल थे। पुलिस के अनुसार, ये गिरफ्तारियां गैंग के अपराधों पर लगाम लगाने में महत्वपूर्ण साबित होंगी और आगे की जांच जारी है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने कुख्यात गैंग्स्टर अनमोल बिश्नोईझहैरी बॉक्सर व अरजू सिंडिकेट से जुड़े पांच शूटरों को गिरफ्तार किया है। चंडीगढ़ के सेक्टर-26 में इंदरप्रीत सिंह पैरी हत्याकांड, अमृतसर, पंजाब के आशु महाजन हत्याकांड और पंचकूला, हरियाणा के सोनू नोल्टा हत्याकांड में ये पांचा शूटर शामिल थे। इन तीनों राज्यों की पुलिस इन्हें ढूंढ रही थी। पांचों दिल्ली में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने आए थे। ये अपने सरगना से आदेश मिलने का इंतजार कर रहे थे इससे पहले स्पेशल सेल ने इन्हें दबोच कर इनकी योजना पर पानी फेर दिया। चार सेमी ऑटोमैटिक पिस्टल व 26 कारतूस बरामद एडिशनल पुलिस कमिश्नर स्पेशल सेल के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए बदमाशों के नाम कुंवर बीर सिंह, कपिल, लवप्रीत सिंह उर्फ लव, पीयूष पिपलानी और अंकुश सोलंकी है। एसीपी धर्मेंद्र कुमार के नेतृत्व में स्पेशल सेल की टीम ने दो अलग-अलग ऑपरेशन में पांचों को गिरफ्तार किया। इनमें तीन को रिंग रोड शांति वन और दो को सराय काले खां से गिरफ्तार किया गया। पुलिस का दावा है कि इनकी गिरफ्तारी से अरजू, अनमोल बिश्नोई व हैरी बाक्सर सिंडिकेट की ताकत को नुकसान पहुंचा है। इनके कब्जे से चार सेमी ऑटोमैटिक पिस्टल व 26 कारतूस बरामद किए गए हैं। पुराने अपराधी हैं सबके सब पुलिस ने बताया कि पीयूष पिपलानी, पंचकूला, हरियाणा का रहने वाला है। इसके खिलाफ हरियाणा और हिमाचल प्रदेश में पहले के छह केस दर्ज हैं। एक दिसंबर को सेक्टर 26, चंडीगढ़ में हुए इंदरप्रीत सिंह उर्फ पैरी की हत्या में वह मुख्य शूटर था। उसके खिलाफ सेक्टर 26, थाना चंडीगढ़ में केस दर्ज है। पांच जून को उसने पिंजौर, पंचकूला में हुए राष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी सोनू नोल्टा की हत्या में भी शामिल था। पिंजौर, पंचकूला थाने में केस दर्ज है।

करोल बाग ज्वैलरी लूट कांड: मास्टरमाइंड के साथी शेख अकरम गिरफ्तार, लूट का सोना और बाइक बरामद

नई दिल्ली : क्राइम ब्रांच ने प्रसाद नगर में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट का अधिकारी बनकर एक ज्वैलर की दुकान में डकैती और एक किलोग्राम से ज्यादा सोने के गहने चुराने के मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस वारदात को पांच बदमाशों ने अंजाम दिया था, जिनमें से एक ने पुलिस की वर्दी पहनी हुई थी। उसकी जानकारी के आधार पर पुलिस ने 130.162 ग्राम सोने के गहने और वारदात में इस्तेमाल की गई पल्सर मोटरसाइकिल बरामद की है। डीसीपी विक्रम सिंह के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी की पहचान शेख अकरम के रूप में हुई है। वह मदनगीर, अंबेडकर नगर के डीडीए फ्लैट्स का रहने वाला है। 27 नवंबर की शाम को प्रसाद नगर थाने में करोल बाग इलाके में एक ज्वैलरी की दुकान में डकैती की शिकायत मिली थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि पांच बदमाश उसकी दुकान में घुसे, जिनमें से एक ने दिल्ली पुलिस की वर्दी पहनी हुई थी और बाकी चार सादे कपड़ों में थे। वे इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के अधिकारी बनकर आए थे। बदमाशों ने शिकायतकर्ता और उसके कर्मचारियों के मोबाइल फोन छीन लिए और दुकान की तलाशी ली। कुछ देर बाद वे एक किलोग्राम से ज्यादा सोने के गहने लूटकर फरार हो गए। फरार होने से पहले बदमाश वर्कशॉप में लगे सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर भी ले गए। शिकायत के आधार पर प्रसाद नगर थाने में मामला दर्ज किया गया और जांच के बाद वारदात और साजिश में शामिल पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। एक बदमाश शेख अकरम फरार था। सेंट्रल रेंज, क्राइम ब्रांच को पिछले हफ्ते शेख अकरम की गतिविधियों के बारे में जानकारी मिली, जो अपने साथियों की गिरफ्तारी के बाद साउथ दिल्ली इलाके में लगातार ठिकाने बदल रहा था। इस जानकारी के आधार पर एसीपी राजबीर मलिक और इंस्पेक्टर सुनील कुमार कलखंडे के नेतृत्व में एक पुलिस टीम ने शेख अकरम को सीआर पार्क से गिरफ्तार किया। उसकी जानकारी के आधार पर लूटा गया सोना और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद की गई। शेख अकरम करोल बाग इलाके में कई ज्वैलरी बनाने वाली दुकानों में काम कर चुका है। वह फिलहाल एक ज्वैलरी बनाने वाली दुकान में काम करता था और अपने परिवार के साथ मदनगीर में रहता था। तीन साल पहले वह इस वारदात के मुख्य आरोपी, सरकारी कर्मचारी और मास्टरमाइंड परमिंदर के संपर्क में आया था। इसके बाद शेख अकरम ने करोल बाग इलाके की ज्वैलरी दुकानों के बारे में जानकारी दी।

फर्जी आयकर अधिकारी बनकर एक किलो सोना लूटने वाला गिरफ्तार, पुलिस ने 130 ग्राम Gold और बाइक बरामद की

नई दिल्ली : दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने फर्जी आयकर अधिकारी बनकर ज्वेलर से सोना लूटने के मामले में एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से लूटा हुआ सोना और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद की गई है। आरोपी की पहचान शेख अकबर के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे सी पार्क से गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने जुर्म कबूल कर लिया है। आयकर विभाग और पुलिस अधिकारी बनकर ज्वेलरी वर्कशॉप में फर्जी रेड डालकर करीब एक किलो सोना लूटने के मामले में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से लूट का 130.162 ग्राम सोना और वारदात में इस्तेमाल की गई पल्सर मोटरसाइकिल बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शेख अकबर उर्फ शेख अकरम (49) निवासी डी-डी-ए फ्लैट्स, मदनगीर, डॉ. अंबेडकर नगर, दक्षिण दिल्ली के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ थाना प्रसाद नगर में दर्ज एफआईआर संख्या 577/25 के तहत भारतीय न्याय संहिता (इठर) की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज है। 27 नवंबर 2025 को थाना प्रसाद नगर में करोल बाग इलाके में स्थित एक ज्वेलरी मेकिंग वर्कशॉप के मालिक ने शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, पांच से छह लोग उसकी वर्कशॉप में घुसे थे। इनमें से एक व्यक्ति दिल्ली पुलिस की फर्जी वर्दी में था, जबकि चार अन्य खुद को आयकर विभाग का अधिकारी बता रहे थे। आरोपियों ने सबसे पहले ज्वेलर और वहां काम कर रहे कर्मचारियों के मोबाइल फोन अपने कब्जे में ले लिए। इसके बाद उन्होंने फर्जी तलाशी के नाम पर वर्कशॉप से करीब एक किलो एक ग्राम सोना निकाल लिया। जाते-जाते आरोपी सीसीटीवी डीवीआर भी उखाड़कर ले गए, ताकि उनकी पहचान न हो सके। इस मामले में जांच के दौरान सेंट्रल जिला पुलिस ने पहले ही पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन शेख अकरम फरार चल रहा था। क्राइम ब्रांच की सेंट्रल रेंज को आरोपी शेख अकरम की दक्षिण दिल्ली में मौजूदगी की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर सुनील कुमार कालखंडे के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई।

दिल्ली में 50% WFH अनिवार्य, उल्लंघन करने वालों की खैर नहीं! एनसीआर के जिलों को लेकर उठ रहा ये सवाल

नई दिल्ली : दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के कारण, दिल्ली सरकार ने सरकारी और निजी कार्यालयों में 50% वर्क फ्रॉम होम अनिवार्य कर दिया है। श्रम मंत्री कपिल मिश्रा ने बताया कि उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई होगी। जीआरएपी प्रतिबंधों के तहत रोजगार गंवाने वाले श्रमिकों को 10-10 हजार रुपये मिलेंगे। आवश्यक सेवाओं वाले कर्मचारियों पर यह नियम लागू नहीं होगा। एनसीआर के जिलों में एक्यूआई 400 से कम होने पर अभी वर्क फ्रॉम होम अनिवार्य नहीं किया गया है। दिल्ली प्रदूषण राजधानी दिल्ली में लगातार बढ़ रहे प्रदूषण को लेकर रेखा गुप्ता की सरकार ने बुधवार को दो अहम फैसले लिए हैं। इन दोनों फैसलों के तहत गुरुवार से दिल्ली के सभी सरकारी और निजी कार्यालयों में 50 फीसदी वर्क फ्रॉम होम अनिवार्य है। दिल्ली सरकार में श्रम मंत्री कपिल मिश्रा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि दिल्ली में गुरुवार से सभी सरकारी और निजी कार्यालयों में 50 प्रतिशत वर्क फ्रॉम होम लागू करना अनिवार्य है, उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंत्री कपिल मिश्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह भी बताया कि जीआरएपी प्रतिबंधों के तहत निर्माण गतिविधियों के रुकने से रोजगार गंवाने वाले पंजीकृत और वेरीफाइड श्रमिकों के बैंक खाते में 10-10 हजार रुपये भेजे जाएंगे। उन्होंने बताया कि यह योजना जीआरएपी तृतीय के कार्यान्वयन के 16 दिनों के दौरान प्रभावित श्रमिकों पर लागू होती है और जीआरएपी चतुर्थ अवधि में भी विस्तारित रहेगी। मंत्री कपिल मिश्रा ने यह भी स्पष्ट किया है कि वर्क फ्रॉम होम वाला नियम अस्पतालों, अग्निशमन विभाग और प्रदूषण नियंत्रण एजेंसियों सहित आवश्यक सेवाएं वाले कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की विशेषज्ञ समिति ने ग्रेप-4 की पाबंदियों के बीच दिल्ली-एसनीआर में निजी और सरकारी कार्यालयों में 50 प्रतिशत वर्क फ्रॉम होम का निर्देश जारी किया है। इसी के चलते दिल्ली सरकार ने गुरुवार से सभी निजी और सरकारी कार्यालयों में 50 फीसदी वर्क फ्रॉम होम अनिवार्य किया है, साथ ही उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की बात भी की है। कब आती है वर्क फ्रॉम होम की नौबत बता दें कि किसी भी शहर में एक्यूआई 400 के पार जाने पर वर्क फ्रॉम होम की नौबत आती है। वहीं, दिल्ली सरकार द्वारा 50 फीसदी वर्क फ्रॉम होम करने के बाद सवाल यह भी उठ रहा है कि अगर दिल्ली में नियम लागू किया गया तो फिर एनसीआर के जिलों में अनिवार्य क्यों नहीं? बताया गया कि हवा के चलते प्रदूषण का स्तर थोड़ा कम हुआ है, जिस वजह से एनसीआर के कई जिलों में एक्यूआई 400 के नीचे दर्ज किया गया। माना जा रहा है कि अगर यहां पर भी अदक400 के ऊपर जाता है, तो 50 फीसदी वर्क फ्रॉम लागू किया जा सकता है। प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए करना होगा ये काम नोएडा में लगातार खराब होते वायु गुणवत्ता को देख नोएडा प्राधिकरण ने प्रदूषण नियंत्रण को एक व्यापक कार्ययोजना लागू की है। इसका केंद्र बिंदु इलेक्ट्रिक व हाइब्रिड मोबिलिटी को बढ़ावा देना, ईवी इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करना है। खासकर आईटी व शैक्षणिक क्षेत्रों में रोजाना होने वाले वाहनों की आवाजाही को कम करना है। प्राधिकरण का दावा है कि ह्यपहले अपने घर को दुरुस्तह्न करेगा और अपने पूरे वाहन बेड़े को स्वच्छ विकल्पों में बदलकर अन्य संस्थाओं के लिए मिसाल पेश करेगा। यह बातें मंगलवार को नोएडा प्राधिकरण सीईओ डॉ. लोकेश एम ने कही। उन्होंने कहा कि योजना के तहत नोएडा प्राधिकरण के सभी कार्यालय के वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहनों में बदला जाएगा। सीएनजी व बीएस सिक्स मानक वाले वाहनों में बदला जाएगा। दिनभर सड़कों पर चलने वाले वाहनों से होने वाले टेलपाइप उत्सर्जन में कमी आएगी व स्थानीय स्तर पर वायु गुणवत्ता में सुधार होगा। बताया कि सुबह आइटी कंपनी, एनएमसी, निजी विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की है। इसमें स्पष्ट किया कि निजी वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए आइटी कंपनियों व विश्वविद्यालयों को ग्रैप-3 व ग्रैप-4 प्रतिबंध हटने तक वर्क फ्राम होम लागू करने की सलाह दी है। इसका उद्देश्य पीक आवर्स में आइटी पार्कों व शैक्षणिक संस्थानों की ओर जाने वाले वाहनों की संख्या कम करना है। शैक्षणिक संस्थानों को हाइब्रिड या पूरी तरह ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने के निर्देश दिए हैं। स्कूलों व विश्वविद्यालय परिसरों में बड़े आयोजनों को एक से दो माह स्थगित किया है। छात्रों से निजी दोपहिया वाहनों के बजाय सार्वजनिक परिवहन अपनाने की अपील की है। प्रदूषण स्तर सामान्य होने तक खुले फूड पार्क व चिमनियों के संचालन पर रोक है।

क्या जब दो-तीन और बम विस्फोट होंगे, तब आप फैसला लेंगे? ल्ढउ ने क्यों लगाई दिल्ली सरकार को फटकार

नई दिल्ली : दिल्ली हाईकोर्ट ने सेकेंड हैंड वाहनों की बिक्री और हस्तांतरण को विनियमित करने में विफल रहने पर दिल्ली सरकार को फटकार लगाई। अदालत ने लाल किले पर हुए हालिया बम विस्फोट का हवाला देते हुए सरकार से जवाब मांगा और मामले की सुनवाई स्थगित कर दी। याचिका में रजिस्टर्ड वाहनों के अधिकृत डीलरों को रेगुलेट करने के लिए दिसंबर 2022 में पेश किए गए सेंट्रल मोटर व्हीकल्स रूल्स के नियम- 55ए से 55एच के लागू होने में आने वाली चुनौतियों का मुद्दा उठाया गया है। सेकेंड हैंड वाहनों की बिक्री और हस्तांतरण को विनियमित करने में विफल रहने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली सरकार को कड़ी फटकार लगाई। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय व न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि जब दो-तीन और बम विस्फोट होंगे, तब आप इस पर फैसला लेंगे। अदालत ने कहा कि लाल किले पर हुआ हालिया बम विस्फोट भी एक पुरानी कार का उपयोग करके किया गया था, जिससे यह मुद्दा और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। अदालत ने सरकार को विस्तृत जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए सुनवाई स्थगित कर दी। जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान लगाई फटकार अदालत ने उक्त टिप्पणियां टुवड्र्स हैप्पी अर्थ फाउंडेशन द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए की। याचिका में रजिस्टर्ड वाहनों के अधिकृत डीलरों को रेगुलेट करने के लिए दिसंबर 2022 में पेश किए गए सेंट्रल मोटर व्हीकल्स रूल्स के नियम- 55ए से 55एच के लागू होने में आने वाली चुनौतियों का बिंदु उठाया। इन नियमों का मकसद सेकंड-हैंड वाहनों के बाजार में जवाबदेही लाना था। याचिका में तर्क दिया गया कि रेगुलेटरी कमियों और प्रक्रियात्मक बाधाओं के कारण ये नियम व्यवहार में असफल हो गए हैं। याचिका में कहा गया कि संशोधित फ्रेमवर्क में एक बड़ी कमी डीलर-टू-डीलर ट्रांसफर की रिपोर्टिंग के लिए किसी भी कानूनी तंत्र की कमी है। नियम के उलट होता है पुराने वाहनों का ट्रांसफर अधिकांश इस्तेमाल किए गए वाहन अंतिम खरीदार तक पहुंचने से पहले कई डीलरों से होकर गुजरते हैं, लेकिन नियम केवल पहले अधिकृत डीलर को पहले ट्रांसफर को ही मान्यता देते हैं।

इन कमियों के कारण, पूरे भारत में बहुत कम प्रतिशत डीलर ही अधिकृत डीलर रजिस्ट्रेशन प्राप्त कर पाए हैं। दिल्ली में कोई भी रजिस्टर्ड नहीं है। नतीजतन, लाखों वाहन बिना किसी रिकार्ड के घूम रहे हैं कि असल में वे किसके कब्जे में हैं।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र में 6 विवादों का सफल निस्तारण, एक परिवार फिर से एकजुट

चंदौसी /संभल (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) अनुकृति शर्मा तथा क्षेत्राधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में संचालित पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की बैठक बुधवार को चंदौसी स्थित गौशाला रोड पिंक चौकी में आयोजित की गई। परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह की देखरेख में हुई इस बैठक में पति-पत्नी के बीच उत्पन्न आपसी विवादों को सुलह-समझौते के आधार पर निपटाने का प्रयास किया गया। कुल 15 पत्रावलियों की सुनवाई के दौरान 6 मामलों का सफलतापूर्वक निस्तारण कर दिया गया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि एक परिवार को फिर से मिला दिया गया, जिससे पारिवारिक एकता बहाल हुई। इसके अलावा, तीन पत्रावलियां आवेदक द्वारा बल न देने के कारण बंद कर दी गईं, जबकि दो मामलों में विधिक कार्रवाई की संस्तुति की गई। बैठक में काउंसलर श्वेता गुप्ता, हेड कांस्टेबल मनोहर सिंह, रुचि पीसी सुधारानी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

दिल्ली-NCR में 10 साल पुरानी डीजल और 15 साल पुरानी पेट्रोल गाड़ियों पर लगेगा बैन

नई दिल्ली : दिल्ली-एनसीआर में इर-3 और उससे नीचे के एडछ वाहनों पर सख्ती बढ़ गई है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने इन वाहनों को लेकर सुरक्षा खत्म कर दी है। अब इन वाहनों के चलने पर रोक लग सकती है, जिससे प्रदूषण कम करने में मदद मिलेगी। यह फैसला दिल्ली में वायु गुणवत्ता को सुधारने के उद्देश्य से लिया गया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जोयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने दिल्ली सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए वायु प्रदूषण से जुड़े मामले में 12 अगस्त, 2025 को पारित अपने आदेश में आंशिक संशोधन किया है। यह आदेश दिल्ली में खराब होती वायु गुणवत्ता के मद्देनजर बीएस-3 मॉडल के पुराने वाहनों के खिलाफ कार्रवाई से संबंधित है। नए आदेश के तहत, सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में बीएस-3 और उससे नीचे के खराब उत्सर्जन मानकों वाले आयु पूरी कर चुके (ईओएल) वाहनों को दी गई सुरक्षा समाप्त कर दी है। दिल्ली सरकार ने मांगी थी पुराने वाहनों पर कार्रवाई की अनुमति दिल्ली सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी ने अदालत से आग्रह किया था कि 12 अगस्त के आदेश में संशोधन कर बीएस-3 तक के वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की अनुमति दी जाए। उन्होंने दलील दी कि पुराने वाहनों के उत्सर्जन मानक बेहद खराब हैं और वे वायु प्रदूषण में लगातार इजाफा कर रहे हैं। ऐसे में दिल्ली-ठउफ में 10 साल पुरानी डीजल और 15 साल पुरानी पेट्रोल गाड़ियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

दिल्ली महिला आयोग नियुक्ति घोटाला: गवाह के पेश न होने पर सुनवाई टली, कोर्ट ने जारी किया नया समन

नई दिल्ली : राउज एवेन्यू कोर्ट में दिल्ली महिला आयोग नियुक्ति घोटाले में गवाह के पेश न होने पर सुनवाई टल गई। स्पेशल जज जितेंद्र सिंह ने सुनवाई 9 जनवरी तक स्थगित कर दी। गवाह डॉ. दिलराज कौर के ससुर की सर्जरी के कारण वह पेश नहीं हुईं। कोर्ट ने उन्हें नया समन जारी किया। आरोपी स्वाति मालीवाल को व्यक्तिगत पेशी से छूट मिली। पूर्व विधायक बरखा सिंह ने 2016 में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें अअढ से जुड़े लोगों को फायदा पहुंचाने का आरोप है। राउज एवेन्यू की स्पेशल जज की कोर्ट दिल्ली महिला आयोग में नियुक्तियों में कथित अनियमितताओं के मामले में किसी भी गवाह का बयान दर्ज नहीं कर पाई। स्पेशल जज जितेंद्र सिंह ने सुनवाई 9 जनवरी तक के लिए टाल दी। सुनवाई के दौरान गवाह डॉ. दिलराज कौर से क्रॉस-एग्जामिनेशन होना था, लेकिन कोर्ट का समन मिलने के बावजूद वह पेश नहीं हुईं। प्रॉसिक्यूशन ने कोर्ट को बताया कि डॉ. कौर के ससुर की हाल ही में सर्जरी हुई है, जिस वजह से वह पेश नहीं हो पाईं। कोर्ट ने उन्हें 9 जनवरी को पेश होने के लिए नया समन जारी किया। आरोपी सांसद स्वाति मालीवाल के वकील ने कोर्ट में व्यक्तिगत पेशी से छूट का अनुरोध किया, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया। इससे पहले, 4 नवंबर को कोर्ट ने शिकायतकर्ता और पूर्व विधायक बरखा सिंह का बयान दर्ज किया था। कोर्ट ने दिसंबर 2022 में स्वाति मालीवाल समेत चार आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए थे। अन्य आरोपी आयोग की सदस्य प्रमिला गुप्ता, सारिका चौधरी और फरहीन मलिक हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ क्ढउ की धारा 120(इ) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13 के तहत आरोप तय किए गए हैं। यह मामला 11 अगस्त, 2016 का है, जब पूर्व विधायक बरखा सिंह ने एंटी-करप्शन ब्यूरो (अउइ) में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि दिल्ली महिला आयोग में नियमों का उल्लंघन करके नियुक्तियां की गईं, जिसमें आम आदमी पार्टी से जुड़े लोगों को फायदा पहुंचाया गया। अउइ में दायर शिकायत में अअढ से कथित तौर पर जुड़े 85 लोगों की एक लिस्ट भी शामिल थी। शुरूआती जांच के बाद, अउइ ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत त्र्क्रक्र दर्ज की।

दिल्ली पुलिस ने म्यूल बैंक अकाउंट सप्लाई करने वाले दो बड़े साइबर गिरोह किए ध्वस्त, 8 आरोपी गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस ने म्यूल बैंक अकाउंट सप्लाई करने वाले दो बड़े साइबर गिरोहों का पदार्फाश किया है। इस कार्रवाई में 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, ये गिरोह साइबर अपराधों के लिए अवैध रूप से बैंक खाते उपलब्ध कराते थे। यह गिरफ्तारी दिल्ली में साइबर अपराध पर अंकुश लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पार्ट टाइम नौकरी लगवाने और म्यूल बैंक अकाउंट सप्लाई करने वाले रैकेट का भंडाफोड़ कर उत्तरी जिले की साइबर थाना पुलिस की टीम ने दो गिरोह का भंडाफोड़ किया है। आरोपित देशभर में बड़े पैमाने पर साइबर अपराधियों को म्यूल (आपराधिक गतिविधियों में इस्तेमाल होने वाले बैंक अकाउंट) और कॉर्पोरेट बैंक अकाउंट सप्लाई करने में शामिल थे। दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान में छापेमारी कर कुल आठ जालसाजों को दबोचा गया। इनके कब्जे से आठ मोबाइल फोन, सिम कार्ड और आपत्तिजनक डिजिटल सबूत बरामद किए गए हैं। ऑफर देकर टेलीग्राम चैनल से जोड़ा उपायुक्त राजा बांठिया के मुताबिक, पहले मामले में मालका गंज के सुमन कुमार ने साइबर नार्थ थाने में एक लाख की ठगी की शिकायत दर्ज कराते हुए बताया था कि जालसाजों ने वाट्सऐप पर घर से काम करने का ऑफर देकर टेलीग्राम चैनल से जोड़ा। शुरूआत में छोटे भुगतान कर विश्वास जीता गया और बाद में अधिक कमाई का लालच देकर कई बैंक खातों में कुल 93 हजार रुपये ट्रांसफर करवा लिए गए। मामले में दो आरोपित फरार कॉमन सेट के बैंक अकाउंट्स से होकर गुजर रही अन्य मामले में एनसीआरपी पोर्टल पर आई कई शिकायतों के विश्लेषण में सामने आया कि ठगी की रकम एक ही कॉमन सेट के बैंक अकाउंट्स से होकर गुजर रही थी। बुराड़ी स्थित एसबीआइ की एक शाखा के अकाउंट का लिंक पांच अलग-अलग शिकायतों से मिलने पर संगठित सिंडिकेट का भंडाफोड़ हुआ। इसके बाद एफआईआर दर्ज कर दिल्ली समेत एनसीआर में छापे मारते हुए बुराड़ी के मन्नू, खारी बावली के अजय, लोनी गाजियाबाद के अनिकेत, गणेश राठी और बेगमपुर के प्रवीण को गिरफ्तार किया। ठगी नेटवर्क से उनके लिंक की हुई पुष्टि जांच में सामने आया कि मन्नू मुख्य हैंडलर था, जबकि अन्य आरोपित फर्जी अकाउंट जुटाने, पैसे निकालने और लेयरिंग में शामिल थे। सिंडिकेट इंटरनेट मीडिया और टेलीग्राम के जरिए विदेशी खरीदारों से संपर्क कर ठगी की रकम को क्रिप्टोकरेंसी में बदल देता था। पुलिस ने आरोपितों से छह मोबाइल फोन, छह सिम कार्ड और डिजिटल सबूत बरामद किए हैं, जिनसे अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी नेटवर्क से उनके लिंक की पुष्टि हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लगभग 100 मोबाइल नंबरों, आईएमईआई डेटा और बैंक ट्रांजेक्शन खंगाले। इसके बाद गुरुग्राम और जयपुर छापेमारी कर जयपुर के हिमांशु शर्मा, छत्र अभिजीत लांबा और अलवर, राजस्थान के साहिल जोशी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पता चला कि आरोपित सात हजार से 25 हजार रुपये प्रति अकाउंट के कमीशन पर म्यूल बैंक अकाउंट खोलकर नेट बैंकिंग क्रेडेंशियल, सिम कार्ड और कॉर्पोरेट आईडी के साथ सप्लाई करते थे। इस मामले में दो आरोपित फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है।

हांसी को नया जिला बनाकर सम्राट पृथ्वीराज चौहान के शासन का स्मरण कराया

सीएम सैनी को महाराणा प्रताप जयंती समिति ने दी बधाई

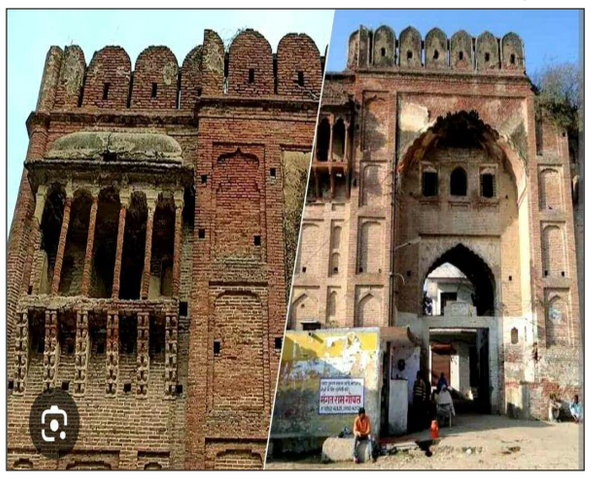

रेवाड़ी। हांसी को हरियाणा का 23वाँ जिला बनाने पर महाराणा प्रताप जयंती समिति ने मुख्यमंत्री नायब सैनी को बधाई दी। समिति के अध्यक्ष राव नरेश चौहान राष्ट्रपूत ने मुख्यमंत्री को प्रेषित अपने बधाई संदेश में हांसी के प्रशासनिक व मिलिट्री सामरिक महत्व की याद दिलाते हुए बताया कि प्रतापी हिंदू सम्राट पृथ्वीराज चौहान ने 12वीं सदी में हांसी को उत्तरी फ्रंटियर क्षेत्र का मजबूत प्रशासनिक व आर्मी बेस बनाकर यहां असिगढ़ फोर्ट की स्थापना की थी । हांसी को नया जिला बनाकर हरियाणा सरकार ने 12वीं सदी के इतिहास को पुन जागृत किया है, इसके लिए समिति आपको बधाई देती है। असिगढ़ फोर्ट को एक सुंदर पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित कर इसके इतिहास को संरक्षित करने का भी पत्र में समिति ने पुरजोर आग्रह किया है

निशुल्क सहायक उपकरण के लिए 22 से 24 दिसंबर तक लगाए जाएंगे जांच शिविर

रेवाड़ी। जिला रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग जनों को निशुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध करवाने के लिए जिला रेवाड़ी में 22 से 24 दिसंबर तक जांच शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिला रेडक्रॉस सोसायटी सचिव बिजेंद्र सौरोत ने जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम कानपुर के सहायक उत्पादन केंद्र नई दिल्ली के सौजन्य से पात्र वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यागजनों को निःशुल्क सहायक उपकरण दिए जाएंगे। इसके लिए जांच शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 22 दिसंबर को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नजदीक स्टेडियम कोसली और बीडीपीओ कार्यालय जाटूसाना, 23 दिसंबर को बीडीपीओ कार्यालय खंड खोल और बीडीपीओ कार्यालय खंड डहीना तथा 24 दिसंबर को कम्युनिटी हॉल मॉडल टाउन रेवाड़ी और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बावल में वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग जनों के लिए जांच शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

असामाजिक महिलाओं के खिलाफ पुलिस को शिकायत, देह व्यापार से जुड़े होने का शक

हिसार शहर की पुरानी मंडी रोड़ एसोसिएशन ने रोड़ पर घूमने वाली 8 से 10 महिलाओं के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी है। शहर थाना प्रभारी ने 100 से अधिक मंडी रोड़ व्यापारियों की हस्ताक्षरयुक्त शिकायत पर जल्द से जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया। व्यापारियों की शिकायत ही की रोड़ पर 8 से 10 महिलाएं घूमती रहती है, जो पारिजात चौक व उसके आसपास खड़ी रहती है। व्यापारियों को शक है कि सभी महिलाएं देह व्यापार में संलिप्त है, जिससे उनका व उनके बच्चों का दुकान पर बैठना मुश्किल हो गया है। शहर थाना प्रभारी को एसोसिएशन ने बताया कि रोड़ पर जहां दो कॉलेज है वहीं एक सरकारी गर्ल्स स्कूल भी है। इसके साथ साथ कुछ दुकानों पर महिलाएं भी कामकाज संभालती है। जब ये महिलाएं पुरुषों को साथ लेकर सड़क से गुजरती है तो माहौल खराब होता है।

स्वदेशी अपनाकर हम देश को बना सकते आत्मनिर्भर : डॉ. आशा खेदड़

हिसार / भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने कहा है स्वदेशी अपनाकर हम देश को समृद्ध बना सकते हैं। स्वदेशी ऐसा नारा है जो न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है बल्कि हर हाथ को काम भी देता है। डॉ. आशा खेदड़ उकलाना विधानसभा के अग्रोहा मंडल के गांव अग्रोहा में अग्रविभूति स्मारक अग्रोहा में कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। स्वदेशी के प्रति जनजागरण के लिए यह रथ यात्रा पूर्व मंत्री अनूप धानक के संयोजन में उकलाना विधानसभा क्षेत्र में चल रही है। आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के लोकसभा संयोजक अजीत सिवानी इसमें विशेष रूप से उपस्थित रहे। अग्र विभूति स्मारक पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. आशा खेदड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर स्वदेशी अभियान चलाया जा रहा है। देशभर में चल रहे इस अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं और देश के नागरिक स्वदेशी व स्वरोजगार के प्रति जागरूक हो रहे हैं। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे स्वदेशी अपनाएं और स्वरोजगार की तरफ बढ़कर अपनी व देश की अर्थव्यवस्था को सुधारने में योगदान दें। कार्यक्रम को पूर्व मंत्री अनूप धानक व लोकसभा संयोजक अजीत सिवानी ने भी संबोधित किया। जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि कार्यक्रम के तहत जागरूकता रथ ने अग्रोहा के बाजरों में नागरिकों को जागरूक किया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में उपरोक्त के अलावा जिला महामंत्री कृष्ण सरसाना, कोषाध्यक्ष अशोक मित्तल, मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपरा, सोशल मीडिया प्रभारी अमर पातड़, यात्रा में साथ चल रहे पर्व शर्मा, संदीप, राजपाल बैनीवाल, हर्ष बामल, वीरेन्द्र मेहता, मोहन लाल नंगथला, इंद्र सिंह ओला, मीना शर्मा, सतपाल शर्मा, कीर्ति रत्न शर्मा, सुशील रेढू, सुरजीत ख्यालिया, जसबीर श्योराण, श्याम जांगड़ा, राममिलन शर्मा, मनोज लंबोरिया, देशराज ठेकेदार, सतबीर पूनिया सहित अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता व क्षेत्रवासी उपस्थित थे।

उकलाना नगर पालिका चुनाव के लिए एससी, बीसी-ए, बीसी-बी व महिला वार्ड के लिए निकाले ड्रॉ

हिसार / बुधवार को नगर निगम के मुख्य सभागार में जिला नगर आयुक्त नीरज एवं एसडीएम ज्योति मित्तल की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें उकलाना नगर पालिका चुनाव में अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग ए, व महिला आरक्षित वार्ड करने के लिए ड्रॉ निकाले गए। बैठक में अतिरिक्त निगमायुक्त डॉ. प्रदीप हुड्डा, सचिव संदीप शर्मा, नगर पालिका उकलाना के चेयरमैन सुशील सिंगला, पार्षद ममता गोयल, पार्षद रीतू जैन, पार्षद जसबिन्द्र मौजूद रहे। सरकार की हिदायतों अनुसार जिस वार्ड में वर्ग की अधिकतम जनसंख्या हो उनमें से 2 वार्ड एससी महिला के लिए 1 वार्ड बीसी-ए महिला व 3 वार्ड महिला आरक्षित करने को लेकर ड्रॉ निकाले गए। सबसे पहले एससी वर्ग के लिए अधिकतम जनसंख्या वाले 6 वार्डो का चयन किया जिसमें वार्ड नम्बर 10, 11, 13, 14, 15 व 16 हैं। इन 6 वार्डो में से ड्रॉ के द्वारा पार्षद रीतू जैन, ममता गोयल ने ड्रॉ निकाला जिसमें वार्ड नम्बर 14 व 15 को एससी महिला के लिए आरक्षित कर दिया गया। बीसी- ए के 1 वार्ड के ड्रॉ निकाले के लिए बीसी-ए की जनसंख्या वाले कुल 3 वार्ड चयनित किये जोकि वार्ड नं. 1, 2 व 3 हैं। इन 3 वार्डो में से चेयरमैन सुशीला सिंगला ने 1 ड्रॉ निकाला जिसमें वार्ड नम्बर 2 को बीसी-ए महिला के लिए आरक्षित कर दिया गया। इसके बाद शेष बचे 9 वार्ड जोकि वार्ड नं. 1, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9 व 12 है। इनमें से महिला आरक्षित के लिए 3 वार्डो के ड्रॉ निकाले गए। ये ड्रॉ तीनों पार्षदों के द्वारा निकाले गए। निकाले गए ड्रॉ में वार्ड नं. 3, 4 व 12 को महिला आरक्षित वार्ड कर दिया गया।

पांच मिनट का वाई-ब्रेक (योगा ब्रेक) स्वास्थ्य के लिए लाभकारी

- वाई ब्रेक से तनाव मुक्त होकर कार्य करने की बढ़ेगी क्षमता : डीसी

रेवाड़ी। आयुष विभाग द्वारा कार्यस्थल पर माहौल को अनुकूल बनाने और अधिकारियों-कर्मचारियों को तनाव मुक्त रह कर कार्यक्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से ह्यवाई-ब्रेकह्ल देने का निर्णय लिया गया है। वाई-ब्रेक यानी योग के लिए ब्रेक में प्रत्येक कार्यदिवस में अधिकारियों व कर्मचारियों को पांच मिनट योगा करवाकर उन्हें तनावरहित किया जा रहा है। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि सरकार द्वारा अधिकारियों-कर्मचारियों को अब कार्यस्थल पर प्रत्येक कार्यदिवस पर कुछ ऐसी क्रियाएं और सरल योग के आसन करने के लिए समय दिया गया है, जिससे वह तनाव से मुक्त होकर और बेहतर तरीके से काम कर सकें। वाई-ब्रेक में पांच मिनट शरीर को राहत के लिए आंखों, कंधों, कमर और अन्य अंगों के लिए क्रियाएं कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि इसका उद्देश्य कार्यस्थल पर माहौल को अनुकूल बनाने और अधिकारियों- कर्मचारियों को तनावमुक्त रह कर कार्यक्षमता बढ़ाने

में मदद करना है। डीसी ने बताया कि वाई ब्रेक से अधिकारियों व कर्मचारियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने, एकाग्रता बढ़ाने और काम के दौरान तनाव व थकान को कम करने में मदद मिलेगी। है। वाई-ब्रेक के लिए हरियाणा योग आयोग द्वारा ऑनलाइन पांच मिनट की क्रियाएं करवाने के लिऐ https://yoga. ayush.gov. in/pm-gallery- other/y-break लिंक भी उपलब्ध करवाया गया है जिससे अन्य वीडियो व सामग्री का उपयोग करके भी क्रियाएं की जा सकती है। डीसी ने बताया कि आयुष विभाग की यह पहल 5 मिनट का योग ब्रेक लंबे समय तक एक ही स्थिति में बैठने से होने वाली तकलीफों को कम करने, रक्त संचार को बेहतर करने तथा मानसिक एकाग्रता बढ़ाने में अत्यंत सहायक है।

यह पहल केंद्र सरकार द्वारा तैयार वाई-ब्रेक योग प्रोटोकॉल पर आधारित है, जिसका उद्देश्य व्यस्त कार्यस्थलों पर भी योग को सरल और व्यवहारिक रूप से अपनाने को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास न केवल तनाव को कम करता है, बल्कि कार्यकुशलता, सकारात्मकता और टीम भावना को भी मजबूत करता है।

पशुओं की देखभाल , संतुलित आहार व समय पर टीकाकरण जरूरी : डॉ प्रवीन कादयान

बेरी पशु चिकित्सालय परिसर में पशुपालक जागरूकता शिविर आयोजित

बेरी(झज्जर)। स्थानीय पशु अस्पताल परिसर में बुधवार को पशुपालन एवं डेयरिंग विभाग व हरियाणा पशुधन विकास बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में पशु बांझपन उपचार शिविर व पशु नस्ल सुधार शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में वैटनरी सर्जन डॉ प्रवीन कादयान ने पशुपालकों को बांझपन, नस्ल सुधार और दूध उत्पादन बढ़ाने व पशुओं में होने वाले अन्य रोगों की रोकथाम को लेकर जागरूक किया। उन्होंने पशुपालकों को नस्ल सुधार के बारे में जानकारी दी। उन्नत नस्ल के सांड या कृत्रिम गभार्धान तकनीक के सही उपयोग से बेहतर नस्ल प्राप्त करने के तरीकों को समझाया। उन्होंने कहा कि अच्छी नस्ल के पशुओं से न केवल

दूध उत्पादन बढ़ता है, बल्कि पशुपालकों की आय में भी वृद्धि होती है।

डॉ प्रवीन ने कहा कि दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए हरे चारे, खनिज मिश्रण, स्वच्छ पानी और सही दुग्ध दुहन विधि के बारे में अवगत कराया तथा शिविर में आए सभी पशुपालकों को निशुल्क खनिज मिश्रण व पेट में होने कीड़ों की दवाई भी वितरित की। उन्होंने सभी पशुपालकों से अपील की कि वे अपने पशुओं को प्रतिदिन 50 से 100 ग्राम खनिज मिश्रण व संतुलित आहार अवश्य दें। जिससे पशुओं की उत्पादन क्षमता बढ़ती है, जिससे पशुपालकों की आय में भी वृद्धि होगी। इस अवसर पर पशु चिकित्सक डॉ जतिन कुमार ने पशुओं में आने वाली बांझपन की समस्या, उसके कारण और रोकथाम के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि संतुलित आहार, समय पर टीकाकरण, कृमिनाशक दवाओं का नियमित प्रयोग और उचित प्रजनन प्रबंधन से बांझपन की समस्या को काफी हद तक रोका जा सकता है। उन्होंने बताया कि पशुओं को उचित मात्रा में संतुलित आहार एवं खनिज मिश्रण देने से दूध उत्पादन, प्रजनन क्षमता एवं पशुओं के समग्र स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार होता है। इस अवसर पर वीएलडीए रोहित कुमार के अलावा स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

- बावल और रेवाड़ी ग्रामीण क्षेत्रों की आंगनबाड़ी वर्कर्स को किया जागरूक

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा के निदेर्शानुसार जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के उद्देश्य से 100 दिवसीय विशेष अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में बाल विवाह निषेध अधिकारी सरिता शर्मा व प्रमोद कुमार ने बुधवार को रेवाड़ी बाल भवन में ग्रामीण क्षेत्र रेवाड़ी और बावल की आंगनबाड़ी कार्यकताओं को बाल विवाह मुक्त भारत बारे जागरूक किया। कार्यक्रम में बाल विवाह निषेध अधिकारी सरिता शर्मा ने प्रतिभागियों को बाल विवाह मुक्त भारत की शपथ दिलवाते हुए बाल विवाह और घरेलू हिंसा से जुड़े कानूनों, उसके दुष्परिणामों और रोकथाम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकताओं को जागरूक करते हुए बताया कि कानून के मुताबिक

लड़की की शादी की न्यूनतम उम्र 18 वर्ष और लड़के की 21 वर्ष निर्धारित है। इससे कम उम्र में विवाह कराना दंडनीय अपराध है, जिसमें 2 वर्ष तक की कैद और 1 लाख रुपये तक जुमार्ने का प्रावधान है। वहीं झूठी शिकायत करने वालों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

यदि बाल विवाह की जानकारी मिलती है तो उसे 112, 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), नजदीकी पुलिस थाने या आंगनबाड़ी वर्कर को तुरंत सूचित किया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि अभियान के तहत जिला प्रशासन द्वारा 100 गांवों में आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूल और कॉलेज में जागरूकता गतिविधियां चलाई जा रही हैं।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शुरू की व्यक्तिगत ऋण योजना

नारनौल। हरियाणा सरकार ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार लाने के लिए व्यक्तिगत ऋण योजना शुरू की है। इस योजना के तहत महिलाओं को बैंकों के माध्यम से 1 लाख रुपए तक का ऋण दिलवाने के व्यवस्था की गई है। यह जानकारी देते हुए डीसी कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा यह व्यक्तिगत ऋण योजना हरियाणा महिला विकास निगम के माध्यम से चलाई जा रही है। इस योजना के तहत जिला महेंद्रगढ़ के लिए 2025-2026 में 74 केसों का

योजना के तहत 1 लाख तक का दिया जाएगा ऋण
योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक की वार्षिक आयु 1.80 लाख से कम होनी चाहिए
योजना के तहत सामान्य श्रेणी की महिला को 10 हजार तथा अनुसूचित श्रेणी की महिला को 25 हजार रुपए दी जाएगी अनुदान राशी

लक्ष्य रखा गया है । उन्होंने बताया कि एक लाख 80 हजार रुपए से कम वार्षिक आय वाली व हरियाणा की स्थायी निवासी महिला इस योजना के लिए पात्र होंगी। ऋण के लिए आवेदक के समय महिला उद्यमी की आयु 18 से 60 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आवेदक पहले से लिए गए ऋण का डिफाल्टर नहीं होना चाहिए। योजना के तहत सामान्य श्रेणी की महिला को 10 हजार रुपए तथा अनुसूचित श्रेणी की महिला को 25 हजार रुपए अनुदान राशी हरियाणा सरकार द्वारा महिला विकास निगम के माध्यम से दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि परचून की दुकान, कपड़े की दुकान, सैलून, सिलाई सेंटर, ब्यूटी पार्लर, टेलरिंग, बुटीक, हलवाई की दुकान, फूड स्टॉल, टिफिन सर्विस, मिट्टी के बर्तन आदि बनाने का काम शुरू करने के लिए ऋण ले सकती हैं। **योजना का लाभ लेने के लिए ये दस्तावेज चाहिए**

योजना का लाभ लेने के लिए दस्तावेजों में आवेदक पत्र, परिवार पहचान पत्र, आधार कार्ड व पासपोर्ट आकार फोटो चाहिए। इन सभी दस्तावेजों की दो-दो फोटो कॉपी होनी चाहिए। इस संबंध में अन्य किसी जानकारी के लिए बस स्टैंड के नजदीक नरूला होटल के पीछे स्थित हरियाणा महिला विकास निगम कार्यालय में आकर तथा कार्यालय के दूरभाष नंबर 01282-250346 पर फोन कर जानकारी ले सकते हैं।

रबी फसलों का 31 दिसंबर तक बीमा अवश्य कराएं किसान

-प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना है किसानों के लिए वरदान : डीसी अभिषेक मीणा

रेवाड़ी। डीसी अभिषेक मीणा ने जिला के किसानों से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफ बीवाई) योजना का लाभ लेने के लिए रबी फसलों का बीमा अवश्य करवाने का आह्वान किया है। पीएमएफबीवाई के तहत 2025-26 के लिए रबी की फसलों का बीमा करवाने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2025 निर्धारित की गई है। डीसी अभिषेक मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत मौजूदा 2025-26 रबी सीजन में गेहूं, चना, सरसों, जौ और सूरजमुखी फसलों का बीमा किया जा रहा है। किसान द्वारा रबी फसलों का देय प्रीमियम बीमित राशि का 1.5 प्रतिशत रहेगा तथा शेष प्रीमियम का भुगतान राज्य और केंद्र सरकार द्वारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बेमौसमी बारिश, ओलावृष्टि व जलभराव से फसल में नुकसान होने पर क्लेम खेत स्तर पर देय होगा। उन्होंने बताया कि योजना के तहत किसी गांव में फसल की औसत पैदावार पूर्व निर्धारित पैदावार से कम होने पर क्लेम गांव के सभी बीमित किसानों को दिया जाएगा।

फसल कटाई के 14 दिनों के अंदर (फसल सूखने के लिए रखी गई हो)नुकसान होने पर क्लेम खेत स्तर पर दिया जाएगा। डीसी ने बताया बताया कि प्रति एकड़ के हिसाब से गेहूं की फसल के लिए बीमित राशि 32523.80 रुपए और किसान द्वारा दी जाने वाली प्रीमियम राशि 487.86 रुपए, चना के लिए बीमित राशि 15986.31 रुपए और प्रीमियम राशि 239.79, जौ के लिए बीमित राशि 20727.21 रुपए और प्रीमियम राशि 310.91 रुपए, सरसों के लिए बीमित राशि 21829.57 रुपए और प्रीमियम राशि 327.44 रुपए तथा सूरजमुखी फसल के लिए बीमित राशि 22050.13 और किसान द्वारा दिए जाने वाली प्रीमियम राशि 330.75 रुपए निर्धारित की गई हैं।

जिन किसानों को अपनी फसलों का बीमा करवाना है, वे अपने आधार कार्ड, बैंक पासबुक, नवीनतम भूमि रिकॉर्ड/ जमाबंदी, बुआई प्रमाण पत्र तथा मेरी फसल मेरा ब्यौरा सहित संबंधित बैंक या सीएससी केंद्र (जन सेवा केंद्र) के माध्यम से बीमा करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि किसान अधिक जानकारी के लिए कृषि रक्षक पोर्टल, हेल्पलाइन नंबर 14447, उप निदेशक कृषि कार्यालय, सांख्यिकी शाखा, उपमंडल कृषि अधिकारी एवं खंड कृषि अधिकारी कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

सोनीपत में नाबालिग छात्रा दो माह की मिली गर्भवती

सोनीपत (अजीत कुमार) । सोनीपत जिले के कुंडली क्षेत्र में नौवीं कक्षा की छात्रा दो महीने की गर्भवती पाई गई। पीड़िता पास के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पढ़ती है। कई दिनों से पेट दर्द की शिकायत के बाद मंगलवार को उसकी मां उसे सरकारी अस्पताल ले गईं, जहां महिला चिकित्सक ने जांच में गर्भावस्था की पुष्टि की। पीड़िता ने बताया कि करीब दो महीने पहले वह दो सहेलियों और एक युवक के साथ कुंडली के पार्कर मॉल गई थी। वहां उसके स्कूल का एक सहपाठी युवक उसे बात करने के बहाने मॉल की छत पर ले गया और जबरन दुष्कर्म किया। आरोपी युवक भी नाबालिग है। इसके बाद कुंडली क्षेत्र में शॉपिंग मॉल की छत पर नौवीं कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा के साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला पांच दिन पहले पुलिस ने लड़की की मां की शिकायत पर कुंडली थाना में केस दर्ज किया था। फिलहाल आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। परिवार मूल रूप से बिहार का रहने वाला है और वर्तमान में राई थाना क्षेत्र में किराए के मकान में रहता है। पुलिस ने जांच के बाद चिकित्सा रिपोर्ट के आधार पर आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज किया। पीड़िता के मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज कराए गए तथा विशेषज्ञ से उसकी परामर्श भी कराई गई। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

सोनीपत में 22 वर्षीय युवती लापता, पुलिस ने दर्ज किया मामला

सोनीपत (अजीत कुमार) । सोनीपत जिले के मुरथल थाना क्षेत्र के एक गांव से 22 वर्षीय युवती के लापता होने का मामला सामने आया है। युवती 15 दिसंबर की सुबह घर से निकली थी, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटी। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस को दी गई शिकायत में युवती के भाई ने बताया कि 15 दिसंबर की सुबह किसी बात को लेकर उसकी बहन से कहासुनी हो गई थी। इसी दौरान युवती नाराज होकर घर से निकल गई। जाते समय उसने अपनी मां से किराए के लिए 50 रुपए लिए थे। सुबह करीब सात बजे घर से निकलने के बाद देर शाम लगभग नौ बजकर दस मिनट पर युवती ने अपनी मां से फोन पर बातचीत की थी। फोन पर उसने बताया था कि वह घर लौट रही है। परिजनों के अनुसार बातचीत के दौरान युवती ने स्वयं को गन्नौर पुल के पास बताया था। सूचना मिलते ही परिवार के सदस्य वहां पहुंचे, लेकिन युवती वहां मौजूद नहीं मिली। इसके बाद आसपास के क्षेत्रों में भी उसकी तलाश की गई, परंतु कोई जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी। मामले की सूचना मिलने पर मुरथल थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस युवती की तलाश में जुटी है। संभावित मार्गों और सार्वजनिक स्थानों के सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि सभी तथ्यों को ध्यान में रखकर कार्रवाई की जा रही है और युवती का जल्द पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

ऊर्जा दक्ष भवन विकसित भारत की आधारशिला: कुलगुरु प्रो. सिंह

सोनीपत (अजीत कुमार) । दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल के कुलगुरु प्रो. प्रकाश सिंह ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण आज केवल तकनीकी आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दायित्व बन चुका है। बुधवार को उन्होंने कहा कि वर्तमान में विकसित हो रहे भवन और अवसंरचनाएं दीर्घकालीन राष्ट्रीय संपत्ति हैं, जिनका सीधा प्रभाव ऊर्जा खपत, कार्बन उत्सर्जन, परिचालन लागत और आने वाली पीढ़ियों के जीवन स्तर पर पड़ता है। ऊर्जा संरक्षण और सतत विकास को जनआंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय और हरियाणा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कुलगुरु ने कहा कि विकसित भारत वही होगा, जहां विकास सतत, समावेशी और तकनीकी रूप से उन्नत हो। यदि भारत को वर्ष 2047 तक वैश्विक नेतृत्वकर्ता बनना है, तो प्रत्येक भवन को उच्च प्रदर्शन वाला, जलवायु-अनुकूल और टिकाऊ बनाना अनिवार्य है। उन्होंने भारतीय पारंपरिक वास्तुकला की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आंगन प्रणाली, प्राकृतिक प्रकाश व वायु प्रवाह, मोटी दीवारें, जालियाँ, छज्जे और जलवायु के अनुरूप भवन उन्मुखीकरण जैसी तकनीकें आज भी प्रासंगिक हैं। जब इन स्वदेशी अवधारणाओं को आधुनिक ऊर्जा गणना और प्राकृतिक प्रकाश विश्लेषण तकनीकों के साथ जोड़ा जाता है, तो कम ऊर्जा में अधिक आरामदायक भवन संभव होते हैं। कुलगुरु ने बताया कि जलवायु परिवर्तन, बढ़ती ऊर्जा मांग और शहरीकरण जैसी चुनौतियों के समाधान के लिए समन्वित डिजाइन पद्धति आवश्यक है, जिसमें वास्तुकार, अभियंता, योजनाकार और सततता विशेषज्ञ प्रारंभ से मिलकर कार्य करें। ऊर्जा सिमुलेशन से भवन की ऊर्जा क्षमता का आकलन, ताप एवं प्रकाश प्रणालियों का अनुकूलन संभव होता है, वहीं प्राकृतिक प्रकाश सिमुलेशन कृत्रिम रोशनी पर निर्भरता कम करता है। प्रतिभागियों से सत्रों में सक्रिय भागीदारी, प्रश्नोत्तर और अनुभव साझा करने का आह्वान किया। कार्यशाला में विशेषज्ञों के व्याख्यान हुए। अंत में आयोजकों ने कुलगुरु को पौधा भेंट किया। प्रो. एस के सिंह, प्रो. विजय शर्मा, प्रो. ज्ञानेंद्र, प्रो. रवि वैश, प्रो. शैलजा, डा. ज्योति, डा. मनोज पंवार, डा. ललित कुमार, डा. सौरभ जागलान सहित शोधार्थी, विद्यार्थी और सरकारी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आईसीसी रैंकिंग में वरुण चक्रवर्ती ने रचा इतिहास, टी20आई क्रिकेट में यह रिकॉर्ड बनाने वाले बने पहले भारतीय गेंदबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है और अपने करियर की नई उच्चतम रेटिंग हासिल कर ली है। आईसीसी की वेबसाइट के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही पांच मैचों की घरेलू टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में लगातार तीसरी बार दो विकेट लेने के बाद भारतीय गेंदबाज ने 818 अंकों का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया है। दाएं हाथ के लेग स्पिनर ने श्रृंखला के पहले तीन मैचों में छह विकेट लिए हैं, जिनमें धर्मशाला में खेले गए तीसरे भारत-दक्षिण अफ्रीका टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में चार ओवरों में 2/11 के उनके प्रभावशाली आंकड़े शामिल हैं, जिन्होंने भारत की सात विकेट की शानदार जीत में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 818 रेटिंग अंकों के साथ, चक्रवर्ती अब दूसरे स्थान पर मौजूद न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी (699) से 119 अंकों की बड़ी बढ़त पर हैं। 34 वर्षीय चक्रवर्ती टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में सर्वकालिक शीर्ष 10 में भी शामिल हो गए हैं। यह खबर भारत के लिए समय पर आई है, क्योंकि वेस्ट इंडीज में पिछले साल जीती गई आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप की उपाधि का बचाव करने में दो महीने से भी कम समय बचा है। चक्रवर्ती से उम्मीद की जा रही है कि वे लगातार दूसरी बार खिताब जीतने की दौड़ में अहम भूमिका निभाएंगे। भारत के लिए एक और अच्छी खबर यह है कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के तीसरे मैच में प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीतने के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में चार पायदान ऊपर चढ़कर 16वां स्थान हासिल कर लिया है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका की रैंकिंग में भी कई सुधार देखने को मिले हैं। मार्को जानसेन 14 पायदान ऊपर चढ़कर 25वें स्थान पर, लुंगी एनगिडी 11 पायदान ऊपर चढ़कर 44वें स्थान पर और ओटनेल बार्टमैन शीर्ष 100 से बाहर से छलांग लगाकर 68वें स्थान पर पहुंच गए हैं। अब आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारत के दो बल्लेबाज शीर्ष पांच में शामिल हैं। तिलक वर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन शानदार पारियों के बाद दो पायदान ऊपर चढ़कर चौथा स्थान हासिल कर लिया है। उनके साथी खिलाड़ी अभिषेक शर्मा बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी आरामदायक बढ़त बनाए हुए हैं, वहीं दक्षिण अफ्रीका के एडन मार्कराम और क्विंटन डी कॉक ने भी उल्लेखनीय प्रगति की है। मार्कराम आठ पायदान ऊपर चढ़कर 29वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि डी कॉक हाल के कुछ उत्साहजनक प्रदर्शनों के बाद 14 पायदान ऊपर चढ़कर 43वें स्थान पर आ गए हैं।

'मुझे नई जिंदगी देने के लिए सीएसके का बहुत-बहुत धन्यवाद', आईपीएल ऑक्शन में चुने जाने के बाद पहली बार बोले सरफराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज सरफराज खान ने कहा है कि पांच बार की आईपीएल चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की वजह से उन्हें 'नई जिंदगी' मिली है क्योंकि टीम ने उन्हें अबुधाबी में हुई खिलाड़ियों की नीलामी में 75 लाख रुपए के आधार मूल्य पर खरीदा है। मंगलवार को नीलामी से कुछ घंटे पहले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैच में 22 गेंद में 73 रन बनाने वाले 28 साल के सरफराज के लिए पहले दौर में किसी ने बोली नहीं लगाई लेकिन बाद में सुपरकिंग्स ने उन्हें खरीद लिया।

मुंबई के बल्लेबाज सरफराज ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर लिखा, 'मुझे नई जिंदगी देने के लिए ह्रस्थ का बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि सीएसके 2026 का खिताब जीते।' मध्यक्रम के इस आक्रामक बल्लेबाज ने पिछली बार 2023 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल मैच खेला था। इसके बाद के दो सत्र में उन्हें कोई खरीदार नहीं मिला।

सरफराज का अंतरराष्ट्रीय करियर भी अभी मुश्किल में है क्योंकि घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बावजूद उन्हें किसी भी प्रारूप में भारतीय टीम में जगह नहीं मिली। वह अतीत में आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के लिए भी खेल चुके हैं। सरफराज ने 2015 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए आईपीएल में पदार्पण किया था।

यह दाएं हाथ का बल्लेबाज इस साल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार फॉर्म में रहा है जिसमें उन्होंने 82.25 की औसत और 204.34 के स्ट्राइक रेट से 329 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक भी शामिल है। सरफराज ने भारत के लिए छह टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 37.10 की औसत और 74.94 के स्ट्राइक रेट से 371 रन बनाए हैं जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 150 है।

आईपीएल में सबसे महंगे बिके कैमरून ग्रीन एशेज में शून्य पर आउट हुए

एडीलेड (एजेंसी)। आईपीएल नीलामी में सबसे महंगे बिके ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन एशेज सीरीज के तीसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में खाता भी नहीं खोल पाये। ग्रीन को इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफा आर्चर ने अपने शिकार बनाया। तीसरे टेस्ट में टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने बल्लेबाजी शुरु की पर उसके बल्लेबाज विफल रहे। पहली पारी में बल्लेबाजी करते हुए ग्रीन केवल दो गेंद ही खेल पाये थे कि आर्चर की गेंद पर कैच हो गये। इस प्रकार ग्रीन का शून्य पर आउट होना प्रशंसकों के बीच चर्चा का मामला बन गया। आईपीएल नीलामी में मोटी रकम पाने के बाद प्रशंसकों को उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी, इसी कारण उन्हें अधिक निराशा हुई।

ग्रीन को गत दिवस हुई नीलामी में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 25.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। ग्रीन को लेकर केकेआर और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में जमकर बोली लगी थी। सीएसके ने 25 करोड़ रुपये तक बोली लगाई थी पर अंत में केकेआर को सफलता मिली। केकेआर ने नीलामी के बाद एक वीडियो भी जारी किया। इसमें ग्रीन ने कहा, 'मैं इस साल आईपीएल में कोलकाता का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हूं, ईडन गार्डन्स में खेलने का मुझे बेसब्री से इंतजार है। वहां के माहौल में ढलने का और उम्मीद है कि यह साल हमारे लिए बेहतरीन रहेगा।'

ग्रीन के टीम में आने से केकेआर की टीम को एक बेहतरीन ऑलराउंडर मिला है। इसका कारण है कि ग्रीन गेंद और बल्ले दोनो से ही बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम हैं। इस ऑलराउंडर ने साल 2023 और 2024 के आईपीएल सत्र में मुंबई इंडियंस (एमआई) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए खेलते हुए 29 मैचों में 41.58 की औसत से 707 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक और दो अर्धशतक लगाये और उनका स्ट्राइक रेट 153 से ज्यादा रहा। वहीं 16 विकेट भी लिए।

आईपीएल 2026: सीएसके फैंस के लिए झटका, धोनी के संन्यास पर पूर्व खिलाड़ी का बड़ा संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व सीएसके बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा का मानना है कि एमएस धोनी के आईपीएल करियर को लेकर अब स्थिति काफी हद तक साफ हो चुकी है। उनके अनुसार, चेन्नई सुपर किंग्स पिछले कुछ सीजन से ट्रांजिशन मोड में है और यह प्रक्रिया अचानक नहीं, बल्कि धीरे-धीरे आगे बढ़ी है। उथप्पा ने कहा कि टीम का मौजूदा संतुलन और फैसले साफ संकेत देते हैं कि अब धोनी के लिए आगे बढ़ने का सही समय आ गया है।

कप्तानी की जिम्मेदारी रुतुराज की ओर

उथप्पा ने यह भी बताया कि जब से कप्तानी दोबारा धोनी के हाथ में आई, तब से हर सीजन नेतृत्व की जिम्मेदारियां रुतुराज गायकवाड़ की ओर शिफ्ट होती दिखीं। टीम मैनेजमेंट ने रुतुराज को लंबे समय का कप्तान मानते हुए धीरे-धीरे फैसलों में शामिल करना शुरू किया। इससे साफ है कि सीएसके भविष्य को ध्यान में रखकर नेतृत्व परिवर्तन की तैयारी कर चुकी है।

संजू सैमसन की एंट्री और उत्तराधिकार योजना

आईपीएल 2026 से पहले संजू सैमसन को ट्रेड कर सीएसके में लाना भी इसी सोच का हिस्सा माना जा रहा है। उथप्पा के मुताबिक, सैमसन न सिर्फ टॉप ऑर्डर को मजबूती देंगे, बल्कि धोनी के बाद विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालने के लिए भी एक मजबूत विकल्प हैं। यह फैसला बताता है कि टीम धोनी के बाद की संरचना पर गंभीरता से काम कर रही है।

युवाओं पर भरोसा, भविष्य की नींव

सीएसके ने आईपीएल 2026 मिनी ऑक्शन में युवाओं पर बड़ा दांव खेला। अनकैप्ड खिलाड़ियों प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा पर भारी रकम खर्च कर टीम ने साफ कर दिया कि वह आने वाले वर्षों के लिए मजबूत कोर तैयार करना चाहती है। इसके अलावा नूर अहमद और डेवाल्ड ब्रेविस जैसे युवा

खिलाड़ियों पर भरोसा भी इसी रणनीति का हिस्सा है।

मेंटर के रूप में धोनी की संभावित भूमिका

उथप्पा का मानना है कि भले ही धोनी मैदान से दूरी बना लें, लेकिन उनका सीएसके से जुड़ाव खत्म नहीं होगा। उन्होंने संकेत दिए कि धोनी भविष्य में मेंटर-कम-प्लेयर या केवल मेंटर की भूमिका में टीम के साथ रह सकते हैं। इससे सीएसके को अनुभव और मार्गदर्शन मिलता रहेगा, जबकि टीम नई पीढ़ी के साथ आगे बढ़ती रहेगी।

शुभमन गिल की सीधी गेंदों को ना खेल पाने की कमजोरी चिंता का सबब : संजय बांगड़

नई दिल्ली। भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ ने बुधवार को कहा कि सीधी गेंदों को नहीं खेल पाने की शुभमन गिल की कमजोरी चिंता का सबब है। गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला के तीन मैचों में 32 रन ही बना सके हैं। जियोस्टार पर गेम प्लान कार्यक्रम में बांगड़ ने कहा कि आफ स्टम्प से बाहर जाती गेंदों पर गिल सहज लग रहे हैं लेकिन सीधी गेंदों को नहीं खेल पा रहे हैं। बांगड़ ने कहा, 'शुरूआत में उसका फुटवर्क काफी सकारात्मक था लेकिन 28 से ज्यादा मैचों में अगर तीन या चार बाउंड्री निकाल दें तो सीधी गेंदों को वह नहीं खेल पा रहा है। सीधी गेंदों के सामने उसका स्ट्राइक रेट बहुत खराब है।' उन्होंने युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की तारीफ करते हुए कहा, 'वह काफी आक्रामक सोच के साथ खेलता है। उसमें गेंद को पीटने की क्षमता है, खासकर कवर्स के ऊपर से जो खास कौशल है।' बांगड़ ने हार्दिक पंड्या के हरफनमौला योगदान की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'पंड्या के हरफनमौला प्रदर्शन से टीम को संतुलन मिलता है।'

अशोक सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : अशोक शर्मा बने सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज

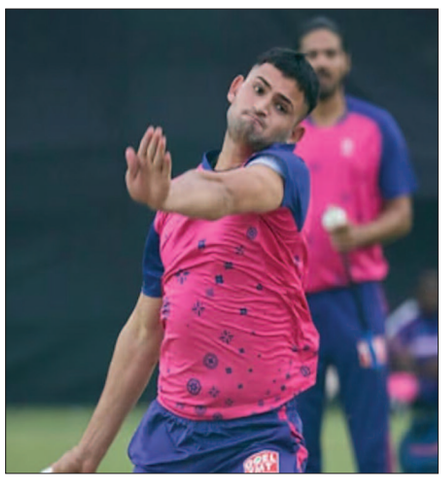

नई दिल्ली । राजस्थान की टीम के तेज गेंदबाज अशोक शर्मा ने मुम्बई के खिलाफ मैच में अथर्व अंकोलेकर का विकेट लेने के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही अशोक सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के एक सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। अशोक के अब 22 विकेट हो गये हैं और उन्होंने बड़ौदा के लुकमान मेरीवाला का 21 विकेटों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अशोक ने जैसे ही 22 वां विकेट लिया। वैसे ही उनके विकेटों की संख्या इस सत्र में सबसे अधिक 22 पहुंच गई। इससे ज्यादा विकेट किसी भी गेंदबाज ने इस टूर्नामेंट के करीब 20 साल के इतिहास में नहीं लिए थे। इससे पहले ये रिकार्ड 21 विकेट के साथह ही बड़ौदा के तेज गेंदबाज लुकमान मेरीवाला के नाम था। मेरीवाला ने साल 2013-14 की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में घातक गेंदबाजी की थी और कुल 21 विकेट निकाले थे। वहीं अब वह दूसरे स्थान पर फिसल गए हैं। 10 मैचों में अशोक ने 22 विकेट निकाले हैं। दो बार उन्होंने 4 विकेट भी लिए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर चल रहे अंशुल कंबोज ने 10 मैचों में 20 विकेट लिए हैं।

पंजाब किंग्स ने इन चार खिलाड़ियों को टीम से जोड़ा, कप्तान श्रेयस अय्यर ने कह दी ये बड़ी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की मिनी नीलामी में चार महत्वपूर्ण खिलाड़ियों को खरीदकर आगामी सीजन के लिए अपनी 25 सदस्यीय टीम पूरी कर ली है। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, नीलामी में पीबीकेएस ने दो अनकैप्ड और दो कैप्ड खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ा। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज बेन ड्वार्शियस टीम के सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। किंग्स ने ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कूपर कॉनॉली को 3 करोड़ रुपये में खरीदकर अपने खाते की शुरुआत की। मध्य क्रम में लचीलापन प्रदान करने में सक्षम उभरते सितारे कॉनॉली एक विश्वसनीय धीमी गति की बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी का विकल्प भी प्रदान करते हैं।

कॉनॉली को टीम में शामिल करने के पीछे की सोच के बारे में बात करते हुए, कप्तान श्रेयस अय्यर, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया

में उनका सामना किया है, ने कहाः 'सच कहूं तो, शुरुआत में वह हमारे दिमाग में नहीं थे, लेकिन जैसे-जैसे हमने विचार-विमर्श किया और विकल्पों को सीमित किया, हमें एहसास हुआ कि वह इस पोजीशन के लिए बिल्कुल सही हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'उनका स्वभाव शानदार है और उनमें मैच को फिनिश करने की क्षमता है। आईपीएल में ये खूबियां बहुत मायने रखती हैं। हालांकि, हमने सोचा नहीं था कि हम उन्हें 3 करोड़ में खरीद पाएंगे, हमने तो उनकी कीमत इससे कहीं ज्यादा होने का अनुमान लगाया था।'

इसके तुरंत बाद, नीलामी में टीम की सबसे ऊंची बोली लगी, जब बेन ड्वार्शियस को 4.40 करोड़ रुपये में खरीदा गया। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज और निचले क्रम के उपयोगी स्ट्राइकर ड्वार्शियस गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती देते हैं और डेथ ओवरों में घातक पावर-हिटिंग का विकल्प प्रदान करते हैं। प्रवीण दुबे को उनकी बेस प्राइस 1 लाख रुपये में फिर से टीम में शामिल किया गया और वह किंग्स की टीम में लौट आए। दुबे युजवेंद्र चहल और हरप्रीत बराड़ की मौजूदा जोड़ी के पूरक के रूप में भारतीय स्पिन गेंदबाजी का महत्वपूर्ण बैकअप प्रदान करते हैं।

घरेलू टीम को और मजबूत करने के लिए, होनहार युवा प्रतिभा विशाल निषाद पीबीकेएस टीम में शामिल हो गए हैं और उन्हें 30 लाख रुपये की उनकी बेस प्राइस पर साइन किया गया है। किंग्स ने 11.5 करोड़ रुपये के बजट के साथ नीलामी में प्रवेश किया, जिसमें से उन्होंने 8 करोड़ रुपये खर्च कर दिए और दो विदेशी और दो भारतीय खिलाड़ियों को खरीद लिया।

मसूद नहीं संभालेंगे कंसल्टेंट इंटरनेशनल और प्लेयर्स अफेयर्स पद

कराची। पाकिस्तान टेस्ट टीम के कप्तान शान मसूद ने क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के दिये कंसल्टेंट इंटरनेशनल और प्लेयर्स अफेयर्स के पद को ठुकरा दिया है। मसूद को पीसीसी ने इस पद का प्रस्ताव दिया था पर वह इसे संभालने के लिए तैयार नहीं हैं। मसूद के अनुसार इससे वह राष्ट्रीय टीम के प्रति अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभा सकेंगे।

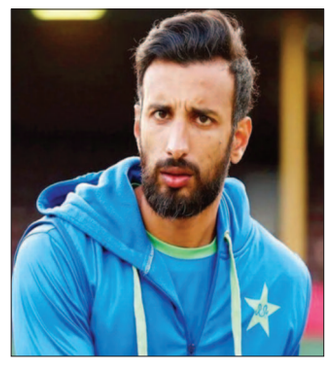

पिछले माह पीसीबी ने मसूद को यह पद इस आश्वासन के साथ दिया था कि क्रिकेट से संन्यास के बाद उन्हें डायरेक्टर का स्थायी पद मिलेगा। यह पहली बार है जब किसी मौजूदा टेस्ट कप्तान को पीसीबी ने इस प्रकार का प्रस्तान दिया है। वहीं कहा गया कि मसूद अपनी उच्च शिक्षा और प्रबंधन के क्षेत्र में जानकारी के कारण दोनों जिम्मेदारियों को साथ में निभा सकेंगे। वहीं मसूद ने काफी विचार के बाद पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी को बताया कि वह दोनों जिम्मेदारियों को ठीक से नहीं निभा सकेंगे। शान ने बताया कि साल 2026 और 2027 में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप को देखते हुए पाक का कार्यक्रम काफी व्यस्त है, और वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं और टीम को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में पहुंचाना चाहते हैं। मसूद ने नकवी से अनुरोध किया है कि उन्हें अपनी क्रिकेट जिम्मेदारियों पर ध्यान देने दिया जाए। साथ ही कहा कि वह क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद पीसीबी के साथ काम करने के लिए तैयार रहेंगे। पीसीबी ने मसूद के इंकार के बाद वर्तमान स्टाफ को ही मामलों को संभालने को कहा है। ऐसे में तय है है कि एशिया कप के दौरान डायरेक्टर इंटरनेशनल क्रिकेट अफेयर्स के पद से निलंबित उस्मान वाहला को एक बार फिर बहाल किया जा सकता है।

आईपीएल में अवसर नहीं मिलने पर अन्य जगह संभावनएं तलाशेंगे मैट शॉर्ट

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज और ऑलराउंडर मैट शॉर्ट ने कहा है कि अगर उन्हें आईपीएल में अवसर मिलता है तो वह खेलने के लिए पूरी तरह सो तैयार हैं पर अगर उन्हें अवसर नहीं मिलता तो वह अन्य लीग्स में खेलने पर ध्यान देंगे। पंजाब किंग्स के लिए 2023 में खेलते हुए शॉर्ट ने अपनी क्षमता साबित नहीं कर पाए इसी कारण अगली नीलामी में किसी फ्रेंचाइजी ने उन्हें नहीं चुना था। मैट शॉर्ट को 2023 में जॉनी बेयरस्टो की चोट के कारण रिप्लेसमेंट प्लेयर के रूप में पंजाब किंग्स में शामिल किया गया था। छह मैचों में खेलने के बावजूद उन्होंने कोई अर्धशतक नहीं बनाया और 19.50 की औसत के साथ कुल 117 रन ही जोड़ पाए। शॉर्ट ने माना कि लीग की प्रतिष्ठा के कारण तब वह दबाव ने उन्हें प्रभावित किया। शॉर्ट ने बताया, शायद मैं थोड़े जल्दी में आईपीएल में आया था। यह मेरा पहला विदेशी टूर्नामेंट था, सीधे आईपीएलमें खेलना बड़ा अनुभव था। वहीं कहा कि इस बार अवसर मिला तो वह खेलने के लिए मानसिक रूप से तैयार हैं। शॉर्ट ने अपने खेल के मानसिक पक्ष पर भी काम किया है। डेविड रीड की मदद से उन्होंने ध्यान केंद्रित करना का भी अभ्यास किया है। उनके पास बिग बैश और दुनिया भर की अन्य प्रतियोगिताओं का अनुभव है। इससे मुझे दबाव को संभालने और विभिन्न परिस्थितियों में खेलने का आत्मविश्वास मिला है। अब अगर चुना गया, तो मैं पूरी तरह तैयार रहूंगा।शॉर्ट ने कहा कि यदि उन्हें अवसर नहीं मिलता है तो वह आगे के अवसरों की तलाश में हैं। उन्होंने कहा कि अगर एक चीज़ नहीं होती, तो हम कुछ और खोज लेंगे। मैं ऑक्शन को देखूंगा और फिर परिणाम का इंतजार करूंगा।

आईपीएल और पीएसएल कार्यक्रम टकराया

मुम्बई । साल 2026 में होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की पाकिस्तान क्रिकेट लीग (पीएसएल) से तारीखें टकरा रही हैं। इसका कारण है कि आईपीएल 26 मार्च से मई अंत तक खेला जाएगा। वहीं पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भी 11वां सत्र अगले साल 26 मार्च से तीन मई तक रखा है। य पहली बार नहीं है जब पीसीबी ने इस प्रकार की तारीखें घोषित की है। पहले भी पीएसएल की तारीखें आईपीएल से टकराती रही हैं। ये लगातार दूसरी बार है जब यह आईपीएल के साथ ही पीएसएल भी खेला जाएगा। इससे उन खिलाड़ियों को नुकसान होगा जो आईपीएल में अवसर न मिलने पर पीएसएल में खेलते हैं। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने मार्च में पीएसएल के नये सत्र की घोषणा की है। आईपीएल भी इसी समय खेला जाएगा। नकवी ने कहा कि इस दौरान पाकिस्तान टीम के अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में बदलाव किया जायेगा। पाकिस्तान को मार्च अप्रैल में बांग्लादेश में दो टेस्ट, तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैच खेलने हैं। इस साल भारत और श्रीलंका में फरवरी मार्च में टी20 विश्व कप भी होना है, जो कि मार्च के पहले सप्ताह तक चलने वाला है। ऐसे में पीसीबी को अपनी ही टीम के कार्यक्रम को अब पीएसएल 2026 की वजह से आगे करना है। मार्च और मई में पीएसएल का आयोजन होगा तो निश्चित तौर पर पाकिस्तान और बांग्लादेश सीरीज मई के अंत में शुरू होगी। हालांकि, बांग्लादेश का शेड्यूल कैसा है? ये भी सोचना होगा, क्योंकि तीनों फॉर्मेट की सीरीज को आगे खिसकना बहुत ज्यादा कठिन होगा। हो सकता है कि सीरीज को छोटा किया जाए, क्योंकि बांग्लादेश की टीम को न्यूजीलैंड भी जाना है। अब देखना ये है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड इस सीरीज को कैसे समायोजित करता है। हालांकि, एक बात है कि क्रिकेट प्रशंसकों को लगातार मैच देखने को मिलेंगे।

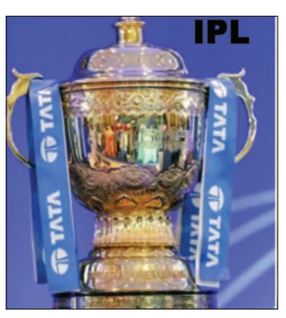

फ्रांस के डेम्बेले और स्पेन की बोनमाटी ने जीता फीफा प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार

दोहा (एजेंसी)। स्पेन की आइताना बोनमाटी और फ्रांस के उस्मान डेम्बेले को क्रमशः महिला और पुरुष वर्ग के फीफा के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार से नवाजा गया। मंगलवार रात यहां आयोजित एक विशेष समारोह में इन खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। 28 वर्षीय डेम्बेले पीएसजी की ऐतिहासिक पहली चैंपियंस लीग जीत में अहम भूमिका निभाने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे।

फाइनल मुकाबले में पीएसजी ने इंटर मिलान को 5-0 से हराया। डेम्बेले ने पिछले सीजन सभी प्रतियोगिताओं में कुल 35 गोल किये जिनमें से 21 गोल लीग-वन में थे और वह टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर भी रहे। वहीं, बार्सिलोना की मिडफील्डर को क्लब और देश के लिए एक और शानदार साल के बाद द बेस्ट फीफा महिला खिलाड़ी चुना गया और वह लगातार तीन खिताब जीतने वाली पहली महिला फुटबॉलर बन गईं।

बोनमाटी ने चैंपियंस लीग प्लेयर ऑफ द सीजन का खिताब भी जीता। इसके अलावा उन्होंने लगातार तीसरी बार विमेंस बैलन डी' ओर पुरस्कार भी हासिल किया। बोनमती की अगुवाई में बार्सिलोना ने घरेलू स्तर पर ट्रेबल जीता, जबकि स्पेन के साथ उन्होंने चैंपियंस लीग फाइनल और यूरो 2025 फाइनल तक का सफर तय किया।

पुरस्कार के बाद बोनमाटी ने कहा, 'मैं अपना तीसरा फीफा द बेस्ट अवॉर्ड जीतने के लिए बहुत आभारी और गर्व महसूस कर रही हूं। मैं उन सभी लोगों की बहुत आभारी हूं जिन्होंने मेरे लिए वोट किया, खिलाड़ी, कोच और प्रशंसक। मेरे लिए सबसे अच्छी बात यह है कि जो खिलाड़ी मेरी तरह फुटबॉल खेलते हैं या जिन कोचों के खिलाफ मैं खेलती हूं, उन्होंने मुझे फीफा द बेस्ट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना। यह सबसे अच्छी बात है जो मैं कह सकती हूं।'

उस्मान डेम्बेले ने कहा, 'सबसे पहले, मैं अपने सभी टीम के साथियों को धन्यवाद देना चाहता हूं, यह साबित होता है कि कड़ी मेहनत रंग लाती है। यह मेरे लिए, व्यक्तिगत रूप से और एक टीम के रूप में, एक शानदार साल रहा है। मैं अपने परिवार को भी धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने कहा मुझे हमेशा मेरे जन्मदिन पर आपसे एक छोटा सा मैसेज मिलता है, जिससे मुझे हमेशा खुशी होती है। मुझे उम्मीद है कि अगले साल मैं फिर से यहां आऊंगा।'

इंग्लैंड को लगातार दूसरा यूइइए विमेंस यूरो खिताब दिलाने के बाद सरीना विगमैन को 2025 के लिए सर्वश्रेष्ठ फीफा महिला कोच चुना गया। लुइस एनरिक को 2025 के लिए सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष कोच चुना गया।

सीरीज सिंगल पापा को हां करने के लिए मेरे पास दो कारण थे

नेटफ्लिक्स की नई कॉमेडी सीरीज सिंगल पापा खूब चर्चा बटोर रहा है। शो से जुड़ी अभिनेत्री आयशा अहमद ने अपने अनुभव साझा किए हैं। सीरीज में वह महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने बताया कि यह शो उनके करियर का अहम प्रोजेक्ट है। व्यक्तिगत रूप से उनके लिए शूटिंग का अनुभव बेहद खास रहा। आयशा अहमद ने कहा, जब मुझे पहली बार डायरेक्टर शशांक की टीम ने मीटिंग के लिए बुलाया, तो इस दौरान बातचीत का अनुभव काफी अच्छा रहा। शशांक के साथ पहली मुलाकात इतनी दिलचस्प रही कि वह लंबे समय तक मेरे दिमाग में बनी रही। कुछ समय बाद जब मैं काम के सिलसिले में ट्रैवल कर रही थी, तभी मेरे पास सिंगल पापा सीरीज के लिए कॉल आया। मैंने बिना समय लगाए तुरंत हां कर दी। उन्होंने कहा, मेरे शो को हां कहने के पीछे दो कारण थे- एक तरफ शो को शशांक जैसे डायरेक्टर बना रहे थे और दूसरी तरफ मेरे साथ कुणाल खेमू स्क्रीन साझा करने वाले थे। मैं उनकी काफी लंबे समय से फैन हूं। आयशा ने कहा, मेरे लिए कुणाल खेमू के साथ काम करना अपने आप में एक यादगार अनुभव है। वह सेट पर हल्का-फुल्का और मजेदार माहौल बनाकर रखते थे। वह सभी कलाकारों को सपोर्ट करते हैं और हर सीन में ऐसी ऊर्जा लेकर आते थे कि बाकी कलाकारों का काम और भी आसान हो जाता है। आयशा ने बताया कि उनके साथ शूटिंग इतनी सहज रही कि सब कुछ अपने आप सही समय पर होता चला गया। इस वजह से यह प्रोजेक्ट मेरे लिए और भी खास बन गया। सीरीज सिंगल पापा नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। शो में मनोज पाहवा, कुणाल खेमू, दयानंद शेट्टी, प्राजक्ता कोली, नेहा धूपिया और आयशा रजा मिश्रा जैसे कई बेहतरीन कलाकार शामिल हैं। कहानी गौरव गहलोत नाम के एक ऐसे व्यक्ति की है, जो उम्र में बड़ा होने के बावजूद कई बार बच्चों जैसा व्यवहार करता है। तलाक के तुरंत बाद वह बच्चा गोद लेने का फैसला करता है। इस फैसले से पूरे परिवार में हड़कंप मच जाता है। सभी के मन में एक सवाल होता है- जो व्यक्ति अपनी रोजमर्रा की चीजें संभाल नहीं पाता, वह एक बच्चे की जिम्मेदारी कैसे निभाएगा? इस फैसले के बाद परिवार में हंगामा, उलझनें और हंसी-ठहाकों से भरा सफर शुरू होता है।

जया बच्चन की आलोचना के बाद हुमा कुरैशी ने पैपराजी कल्चर पर दिया रिएक्शन

पैपराजी के साथ जया बच्चन का रिश्ता अच्छा नहीं रहता है। बीते दिनों जया बच्चन ने पैपराजी कल्चर को लेकर काफी नाराजगी जताई थी। साथ ही उन्होंने पैपराजी के कपड़ों और उनके रवैये को लेकर भी कड़ी आलोचना की थी। अब जया बच्चन की आलोचना के बाद अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने पैपराजी कल्चर को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। हुमा ने पैप्स कल्चर की चुनौतियों और महत्व दोनों को ही स्वीकार किया है।

फिल्म के प्रमोशन के लिए हम खुद पैपराजी बुलाते हैं

बातचीत के दौरान हुमा कुरैशी ने माना कि बेशक पैपराजी को एक सीमा बनानी चाहिए और उसका सम्मान करना चाहिए। लेकिन उन्होंने ये भी स्वीकार किया कि कई सेलेब्स पैपराजी को खुद ही बुलाते हैं और अपने फायदे के लिए इनका इस्तेमाल भी करते हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि मुझे लगता है कि वे भी महत्वपूर्ण हैं। मैं झूठ नहीं बोलूंगी, लेकिन हम उनका इस्तेमाल तब करते हैं जब हमें अपनी फिल्मों का प्रचार करना होता है या अपने जीवन के किसी खास पहलू को लोगों के सामने लाना होता है। कई बार ऐसा हुआ है जब हमें अपनी फिल्मों का प्रचार करना था, इसलिए हमने उन्हें प्रीमियर में बुलाया। जब हम कहीं दिखना चाहते हैं, तो हम उन्हें बुलाते हैं। मैं सारा दोष उन पर नहीं डालना चाहती।

फोटोग्राफर के साथ मजबूत हुआ मेरा रिश्ता

पैप्स के साथ अपने रिश्ते पर हुमा ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में फोटोग्राफरों के साथ मेरा रिश्ता और भी मजबूत हो गया है। जब भी मेरी तबीयत ठीक नहीं होती या मैं फोटो नहीं खिंचवाना चाहतीं, तो मैं बस उनसे प्यार से कहती हूं कि मेरी तस्वीरें न लें, और वे आमतौर पर मेरी इच्छा का सम्मान करते हैं।

महिलाओं को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है

इस दौरान हुमा ने उन मुद्दों पर भी बात की जिनका सामना इंडस्ट्री में महिलाएं आमतौर पर करती हैं। जैसे कि गलत सवाल करना या फिर गलत एंगल से तस्वीरें लेना। हालांकि, एक्ट्रेस ने माना कि कुछ हद तक प्राइवेसी का उल्लंघन इस व्यवस्था का हिस्सा है, लेकिन सम्मान और सीमाएं बनाए रखना आवश्यक है। अगर आप मेरी प्राइवेसी में दखल देना चाहते हैं, तो आप ऐसे प्रश्न पूछेंगे जो मुझे उचित नहीं लगेंगे। एक सीमा होती है जिसे लोगों को पार नहीं करना चाहिए, लेकिन हम उसे पार कर जाते हैं। एक महिला और अभिनेत्री के रूप में मैंने यह सब अनुभव किया है।

जया बच्चन ने की थी पैपराजी के पहनावे और रवैया की आलोचना

हुमा की ये टिप्पणियां तब आई हैं, जब बीते दिनों जया बच्चन ने पैपराजी की कड़ी आलोचना की थी। एक इंटरव्यू में जया ने पैपराजी के पहनावे, उनके काम करने का तरीके और उनकी ट्रेनिंग पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि जो लोग सस्ते तंग पैंट पहनते हैं और हाथ में मोबाइल रखते हैं, क्या उन्हें लगता है कि सिर्फ फोन होने से वे आपकी तस्वीर खींच सकते हैं और जो चाहें कह सकते हैं। उनकी शिक्षा, उनका बैकग्राउंड कैसा है? वो आखिर हैं कौन?

नौ साल बाद लौटीं शिल्पा शिंदे

अभिनेत्री शिल्पा शिंदे वर्षों बाद सीरियल 'भाबी जी घर पर हैं' में वापस लौट आई हैं। एक्ट्रेस का प्रोमो भी रिलीज हो चुका है। वीडियो को देखने के बाद शो में आने वाले ट्विस्ट का एक हिंट जरूर मिल रहा है। 'बिग बॉस 11' की विजेता और टीवी अभिनेत्री शिल्पा शिंदे ने यूं तो कई टीवी शोज में काम किया है लेकिन 'भाबी जी घर पर हैं' की अंगूरी भाभी के तौर पर वो छा गईं। साल 2015 में शो की शुरुआत हुई थी लेकिन फिर एक साल बाद 2016 में विवादों के चलते उन्होंने शो को अलविदा कह दिया। अब करीब नौ वर्षों के बाद शिल्पा एक बार फिर शो में वापसी कर रही हैं। उनका कमबैक शो के नए सीजन 2.0 में होने जा रहा है। इससे जुड़ा प्रोमो भी मेकर्स की ओर से जारी कर दिया गया है। एंड टीवी का सुपरहिट कॉमेडी शो 'भाबी जी घर पर हैं' इन दिनों जबरदस्त चर्चा में है और इसकी सबसे बड़ी वजह है शिल्पा शिंदे की धमाकेदार वापसी। शो के नए सीजन में एक बार फिर शिल्पा नजर आने वाली हैं। इस बार वह दर्शकों के सामने बिल्कुल नए और रहस्यमयी अवतार में आई हैं, जिसने फैंस को चौंका दिया है। हाल ही में जारी किए गए प्रोमो ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। प्रोमो में अंगूरी भाभी, तिवारी, विभूति और अनीता भाभी एक अनजान गांव 'घूंघटगंज' की ओर जाते दिखाई देते हैं। गांव में कदम रखते ही चारों की नजर एक रहस्यमयी स्त्री की मूर्ति पर पड़ती है। तभी अचानक कुछ ऐसा होता है, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। मूर्ति की साड़ी अंगूरी भाभी पर गिरती है और माहौल में सिहरन फैल जाती है। यहीं से कहानी ले लेती है खौफनाक मोड़।

'स्त्री' स्टाइल में लेंगी शो में एंट्री

इसके बाद अंगूरी भाभी के बर्ताव में अजीब बदलाव नजर आने लगता है। सबको लगता है कि उन पर किसी आत्मा का साया हो गया है। जब विभूति उन्हें प्यार से आवाज देता है, तो अंगूरी भाभी का जवाब सबको हैरान कर देता है। उनका अंदाज, उनकी चाल और संवाद, सब कुछ डरावना लेकिन बेहद दिलचस्प लगता है। साफ है कि शिल्पा शिंदे ने इस बार 'स्त्री' स्टाइल में शो में एंट्री लेकर कहानी में जान डाल दी है।

नौ वर्षों बाद शो में हुई वापसी

लंबे समय बाद शिल्पा शिंदे को एक बार फिर अंगूरी भाभी के रूप में देखकर फैंस भावुक भी हैं और उत्साहित भी। सोशल मीडिया पर लोग प्रोमो को बार-बार देख रहे हैं और कई लोगों ने अब तक कमेंट किया है।

नवाजुद्दीन स्टारर फिल्म फरार में दिखेगा मनी हाइस्ट जैसा फ्लेवर

नवाजुद्दीन सिद्दीकी हाल ही में थामा में नजर आए थे। इस भूमिका के लिए उन्हें खूब सराहना मिली। अब वह अपनी नई फिल्म फरार को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें वह राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कलाकार पार्थ भालेराव और त्रिशा थोसर के साथ दिखाई देंगे। फिल्म के निर्देशक और लेखक कुशाग्र शर्मा हैं। फरार को बड़े पैमाने पर तैयार किया जा रहा है। सिनेमैटोग्राफी, बैकग्राउंड म्यूजिक और विजुअल ट्रीटमेंट इंटरनेशनल फिल्मों की तरह भव्य रखा गया है। हॉलीवुड फिल्मों में काम कर चुके इलिया वोलोक इसमें अहम भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, सुपरहिट स्पैनिश सीरीज मनी हाइस्ट के संगीतकार इवान लाकामारा पहली बार किसी हिंदी फिल्म के लिए बैकग्राउंड स्कोर तैयार कर रहे हैं। त्रिशा थोसर फिल्म में नवाज की बेटी बनी हैं। फरार में एक्शन को इंटरनेशनल लेवल पर डिजाइन करने के लिए केचा खम्पकदी भी जुड़े हैं। नवाज एक भौतिक विज्ञान के शिक्षक बने हैं, जबकि निमिषा सजयन उनकी पत्नी की भूमिका निभा रही हैं।

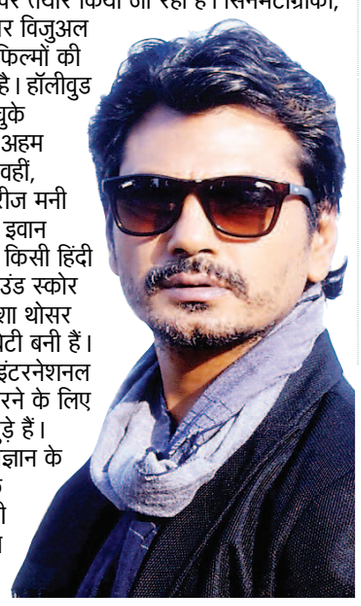

अभय वर्मा की फिल्म छूमंतर से बाहर हुईं अनन्या पांडे

अनन्या पांडे इन दिनों अपने फिल्मी लाइनअप को लेकर लगातार चर्चा में हैं। एक तरफ वह अपनी आगामी फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी के प्रमोशन में जुटी हैं, जिसमें उनके साथ कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। दूसरी ओर, वह अमेजन प्राइम वीडियो की लोकप्रिय वेब सीरीज कॉल मी बे के दूसरे सीजन की तैयारी में भी व्यस्त हैं। इस बीच एक खबर है कि अनन्या आगामी फिल्म छूमंतर से बाहर हो गई हैं। फिल्म की टीम जनवरी 2026 से शूटिंग शुरू करने की योजना बना रही थी। सूत्र के मुताबिक... छूमंतर की शूटिंग का शेड्यूल कॉल मी बे 2 से टकरा रहा था, जिसकी शूटिंग हाल ही में शुरू हुई है। इसी वजह से अनन्या और फिल्म के निर्माताओं ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया। दोनों ने आगे किसी प्रोजेक्ट में साथ काम करने का वादा भी किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अनन्या के बाहर होने के बाद अब कास्ट में दो नाम जानकी बोडीवाला (वश फेम) और श्रीलीला प्रमुखता से चर्चा में हैं। हालांकि आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अनन्या के बाद जानकी बोडीवाला और श्रीलीला का नाम चर्चा में है।

कपिल शर्मा को फिल्म के लिए मिले करोड़ों

कॉमेडी के बादशाह कपिल शर्मा एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी कर चुके हैं अपनी नई फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' के साथ। 2015 में रिलीज पहली फिल्म की धमाकेदार सफलता के बाद अब सीक्वल की रिलीज को लेकर दर्शकों में उत्साह देखने को मिल रहा है। लेकिन इस बार चर्चा केवल फिल्म की कहानी या इसके मनोरंजन की नहीं, बल्कि इसकी स्टारकास्ट की भारी-भरकम फीस की हो रही है। मेकर्स ने फिल्म को भव्य पैमाने पर बनाया है और इसके लिए सितारों को भी मोटी रकम दी गई है।

कपिल शर्मा

सीक्वल में भी कपिल शर्मा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे और उनकी वापसी को देखते हुए मेकर्स ने उन्हें बेहद बड़ी रकम ऑफर की। मनोरंजन जगत में अपनी लोकप्रियता और टीवी शो की सफलता के कारण कपिल की मार्केट वैल्यू पहले से कहीं अधिक बढ़ चुकी है। फिल्म के लिए उन्हें 2 से 3 करोड़ रुपये दिए गए, जो फिल्म के कुल बजट का बड़ा हिस्सा माना जा रहा है। यही वजह है कि उनकी फीस को लेकर सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चाएं हो रही हैं।

त्रिधा चौधरी

वेब सीरीज और फिल्मों में अपनी पहचान बना चुकीं त्रिधा चौधरी पहली बार कपिल शर्मा के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं। फिल्म में उनकी भूमिका को खास बताया जा रहा है और उनकी बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए मेकर्स ने उन्हें 40 से 60 लाख रुपये देने का फैसला किया है। यह फीस उनके करियर के हिसाब से अच्छी मानी जा रही है।

पारुल गुलाटी

सोशल मीडिया की चर्चित अभिनेत्री और 'गर्ल्स हॉस्टल' जैसी वेब सीरीज में अपनी छाप छोड़ चुकीं पारुल गुलाटी को भी इस फिल्म में महत्वपूर्ण किरदार मिला है। उन्हें भी त्रिधा के बराबर ही 40 से 60 लाख रुपये की रकम दी गई है। पारुल की बढ़ती ब्रांड वैल्यू ने उनके पैकेज को मजबूत किया है।

आयशा खान

टेलीविजन की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुकीं आयशा खान भी फिल्म का हिस्सा हैं। हालांकि इस फिल्म के लिए उन्हें 15 से 30 लाख रुपये की राशि दी गई है, जो बाकी लीड एक्ट्रेसेज़ की तुलना में काफी कम है। लेकिन फिल्म में उनकी भूमिका छोटी नहीं बताई जा रही है, जिससे उम्मीद है कि यह प्रोजेक्ट उनके करियर में नई दिशा दे सकता है।

मनजोत सिंह

'फुकरे' फेम मनजोत सिंह भी इस बार एक अलग जोन में नजर आएंगे। उनके किरदार को मजबूत बताया जा रहा है और इसके लिए उन्हें 50 से 70 लाख रुपये की सैलरी दी गई है। मनजोत की कॉमिक टाइमिंग पहले ही दर्शकों के बीच लोकप्रिय है और इस फिल्म से उनकी मौजूदगी और मजबूत हो सकती है।

वरीना हुसैन

वरीना हुसैन लंबे समय बाद किसी बड़े प्रोजेक्ट से जुड़ रही हैं। मेकर्स ने उन्हें फिल्म के लिए 20 से 35 लाख रुपये ऑफर किए हैं। वरीना की स्क्रीन प्रेजेंस और उनकी पिछली फिल्मों की सफलता ने उन्हें इस फिल्म में खास जगह दिलाई है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।